दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित >>> दिल्ली >>> गाजियाबाद >>> नोएडा >>> ग्रेटर नोएडा >>> हापुड़ >>> अमरोहा >>> बागपत >>> मेरठ >>> मुजफ्फर नगर >>> बिजनौर >>> मुरादाबाद >>> बुलंदशहर >>> अलीगढ़ >>> फरीदाबाद >>> गुड़गांव >>> सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 27 डिग्री
न्युनतम तापमान 25 डिग्री

एनसीआर
अधिकतम तापमान27 डिग्री
न्युनतम तापमान 24 डिग्री

सोमवार 01 सितंबर 2025
सुर्योदय प्रात: 06:00 बजे
सूर्यास्त सांय 18: 43 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 ऐसे तो ट्रंप को नहीं मिलेगा नोबेल शांति पुरस्कार

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 317 | गाजियाबाद, सोमवार 01 सितंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
BHIM UPI
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

पूर्व क्रिकेटर अजहरुद्दीन एमएलसी पद के लिए नामित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। तेलंगाना सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन और प्रोफेसर कोडंडाराम रेड्डी को विधान परिषद (एमएलसी) के लिए नामित करने का निर्णय लिया है। कैबिनेट बैठक में नामों पर मुहर लगाई गई। इस निर्णय को लेकर खेल जगत और राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। इसी बीच, अजहरुद्दीन ने पार्टी हाईकमान का आभार जताया है। मोहम्मद अजहरुद्दीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "तेलंगाना में राज्यपाल कोटे के अंतर्गत एमएलसी पद के लिए मुझे मनोनीत करने के कैबिनेट के फैसले से मैं बेहद सम्मानित और विनम्र महसूस कर रहा हूं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल को उनके विश्वास और आशीर्वाद के लिए हार्दिक धन्यवाद।"

इंजन में आग की चेतावनी के बाद दिल्ली लौटा एयर इंडिया का विमान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। एयर इंडिया की दिल्ली से इंदौर जा रही एक उड़ान को रविवार सुबह टेकऑफ के तुरंत बाद इंजन में आग की चेतावनी के कारण दिल्ली वापस लौटना पड़ा जहां उसकी सुरक्षित लैंडिंग हुई। सूत्रों ने बताया कि विमान में 90 से ज्यादा यात्री सवार थे। फ्लाइट एआई2913 के दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही पायलट को विमान के दाहिने इंजन में आग की चेतावनी मिली। एहतियात बरतते हुये उस इंजन को बंद कर दिया गया और विमान को एक ही इंजन पर दिल्ली वापस लाया गया। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि सुबह 6.15 बजे एयरपोर्ट पर पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया। एयर इंडिया ने घटना पर खेद व्यक्त करते हुये एक बयान में कहा कि विमान को निरीक्षण के लिए ग्राउंड कर दिया गया है और यात्रियों को दूसरे विमान से इंदौर भेजने की व्यवस्था की जा रही है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पीएम के चीन दौरे पर उठाए सवाल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चीन यात्रा की कांग्रेस पार्टी ने आलोचना की है। पार्टी प्रवक्ता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि इस दौरे का मूल्यांकन राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक हितों के संदर्भ में किया जाना चाहिए। जयराम रमेश ने अपने एक्स पिस्ट में कहा कि जून 2020 में गलवान घाटी में चीनी आक्रामकता के दौरान 20 भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। इसके बावजूद 19 जून 2020 को प्रधानमंत्री मोदी ने चीन को क्लीन चिट दे दी थी। सीमा पर यथास्थिति बहाल करने में विफल रहने के बावजूद सरकार चीन के साथ सुलह की दिशा में कदम बढ़ा रही है, जिससे बीजिंग की आक्रामकता को अप्रत्यक्ष वैधता मिल रही है।

'मन की बात' : बारिश से हो रहे नुकसान पर जताया दुख

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि वर्षा ऋतु के इस मौसम में प्राकृतिक आपदाओं ने देश की बड़ी परीक्षा ली है। बाढ़ और भू-स्खलन से घर और खेत उजड़ गए, पुल-सड़कें बह गईं और कई परिवार संकट में फंस गए। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों ने अपने प्रियजन खोए हैं, उनका दुख पूरे देश का दुख है। प्रधानमंत्री ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के जवान और सुरक्षा बल दिन-रात राहत कार्य में जुटे रहे। तकनीक का उपयोग करते हुए तापीय कैमरे, जीवित अन्वेषक यंत्र, खोजी कुत्ते और मानवरहित यान निगरानी से खोज और बचाव कार्य तेज किए गए।

परस्पर विश्वास और सम्मान के आधार पर चीन के साथ

संबंध आगे बढाने को प्रतिबद्ध है भारत: मोदी

✷ वेबवार्ता. तियांजिन/नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को यहां चीन से साफ शब्दों में कहा कि भारत परस्पर विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर चीन के साथ संबंधों को आगे बढाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सात वर्ष से भी अधिक समय के बाद चीन यात्रा पर गये श्री मोदी ने सुबह यहां चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान अपने वक्तव्य में कहा कि उनकी शी जिनपिंग के साथ कजान में वार्ता के बाद से दोनों देशों के संबंधों को सकारात्मक दिशा मिली है और सीमा पर शांति तथा स्थिरता का माहोल बना है।

श्री मोदी ने कहा, " पिछले वर्ष कजान में हमारी बहुत ही सार्थक चर्चा हुई थी जिससे हमारे संबंधों को सकारात्मक दिशा मिली। सीमा पर सैनिकों की वापसी के बाद शांति और स्थिरता का माहौल बना है।"

उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि भारत परस्पर विश्वास , सम्मान और विश्वसनीयता के आधार पर संबंध आगे बढाने का इच्छुक है। उन्होंने कहा, " हम परस्पर विश्वास , सम्मान और विश्वसनीयता के आधार पर संबंध आगे बढाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। "

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंधों से देश के 2.8 अरब लोगों के हित तथा मानवता का कल्याण जुड़ा है। श्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों के बीच सीमा प्रबंधन के बारे में सहमति बनी है। कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू हुई है और दोनों देशों के बीच सीधी उडान सेवा फिर से शुरू की जा रही है।

उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग को एससीओ की सफलता के लिए भी शुभकामनाएं और बधाई दी। उल्लेखनीय है कि श्री मोदी शंघाई सहयोग संगठन के राष्ट्रप्रमुखों की 25 वीं बैठक में हिस्सा लेने के लिए चीन के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर चीन गये हैं।

उनकी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तथा अन्य वैश्विक नेताओं के साथ भी द्विपक्षीय वार्ता करने की संभावना है।

20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की बिक्री से संबंधित याचिका पर एससी में सुनवाई आज

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें 20 प्रतिशत

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी-20) को देश भर में लागू करने को चुनौती दी गई है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि लाखों वाहन मालिकों को ऐसा ईंधन इश्तेमाल करने के लिए मजबूर किया जा रहा है जो उनके वाहनों के अनुरूप नहीं है। यह जनहित याचिका प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष एक सितंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। अधिवक्ता अक्षय मल्होत्रा द्वारा दायर याचिका में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि सभी पेट्रोल पंपों पर इथेनॉल मुक्त पेट्रोल उपलब्ध कराया जाए।

इसमें यह भी अनुरोध किया गया है कि सभी पेट्रोल पंपों और वितरण इकाइयों पर अनिवार्य रूप से इथेनॉल की मात्रा को दिखाने वाला लेबल लगाया जाए ताकि उपभोक्ताओं को साफ-साफ पता चले। साथ ही, यह सुनिश्चित किया जाए कि ईंधन भरते समय उपभोक्ताओं को उनके वाहनों की इथेनॉल अनुकूलता के बारे में सूचित किया जाए।

एसआईआर : मतदाता सूची में दावे और आपत्तियों का निस्तारण जारी, एक दिन शेष

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए वोटर लिस्ट पर दावे और आपत्तियों के निश्तारण की प्रक्रिया को और भी तेज कर दिया है। बिहार एसआईआर को लेकर दावे और आपत्तियां दाखिल करने के लिए अब केवल 1 दिन बाकी है और ऐसे में सिर्फ दो दलों से ही चुनाव आयोग को आपत्तियां मिली हैं।

चुनाव आयोग ने रविवार को इस संबंध में एक डेली बुलेटिन जारी किया है। ईसीआई के अनुसार, 1 अगश्त (दोपहर 3 बजे) से 31 अगश्त (सुबह 10 बजे) तक की अवधि में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट) (लिबरेशन) की ओर से आपत्ति मिली हैं। ईसीआई ने बताया कि कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्ससिस्ट-लेनिनिस्ट) (लिबरेशन) की ओर से प्रारूप निर्वाचक नामावली में नाम जोड़ने के लिए 15 और हटाने के लिए 103 दावे और आपत्तियां दर्ज कराई हैं। इसके अलावा, राजद की ओर से 10 आपत्तियां मिली हैं, जिनका निपटारा 7 दिन में किया जाएगा।

चुनाव आयोग के मुताबिक, निर्वाचकों से सीधे प्राप्त दावों और आपत्तियों की संख्या में 33,326 नाम जोड़ने और 2,07,565 नाम हटाने के लिए हैं। इनमें से 38,342 का निश्तारण 7 दिनों के भीतर किया गया

है। इसके साथ ही, 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के नए मतदाताओं से प्राप्त फॉर्म 6/फॉर्म 6 और घोषणा पत्र के तहत 15,32,438 दावे प्राप्त हुए, जिनमें से 81,073 का निश्तारण हो चुका है। आयोग ने स्पष्ट किया कि दावे और आपत्तियां केवल निर्धारित प्रपत्रों (फॉर्म 6 और फॉर्म 7) के माध्यम से ही स्वीकार की जाएंगी। सामान्य शिकायतों को बिना घोषणा-पत्र के दावा या आपत्ति के रूप में नहीं गिना जाएगा। यह प्रक्रिया पंजीकरण ऑफ इलेक्टर्स रूल्स, 1960 के नियम 20(3)(बी) और आरपी एक्ट 1950 की धारा 2(जी) के तहत योग्य मतदाताओं को शामिल करने और अयोग्य मतदाताओं को हटाने के लिए की जा रही है। भारत निर्वाचन आयोग ने सभी संबंधित पक्षों से अपील की है कि वे प्रारूप निर्वाचक नामावली को अंतिम रूप देने के लिए शेष समय में अपने दावे और आपत्तियां दर्ज कराएं। यह प्रक्रिया बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बाइकबॉट घोटाला मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, 394.42 करोड़ की संपत्तियां अटैच

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की स्पेशल टास्क फोर्स ने बाइकबॉट घोटाले में एक और बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक कानून (पीएमएलए), 2002 के तहत 394.42 करोड़ रुपए से अधिक की अचल और चल संपत्तियों को अटैच किया है।

ईडी ने जिन संपत्तियों को अटैच किया गया है, वे कमाख्या एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर ट्रस्ट, कमाख्या एजुकेशनल सोसायटी, गुरु नानक चैरिटेबल ट्रस्ट, अल्पाइन टेक्निकल एजुकेशन सोसायटी, एपी गोयल चैरिटेबल ट्रस्ट और मीना आनंद के नाम पर पाई गईं।

ईडी की जांच में सामने आया कि जीआईपीएल और इसके प्रमोटर संजय भाटी ने 'बाइकबॉट' नामक बाइक टैक्सी सेवा के नाम पर लोगों को निवेश का लालच दिया। दरअसल, कंपनी ने योजना बनाई थी कि कोई भी ग्राहक 1, 3, 5 या 7 बाइक्स में निवेश कर सकता है। इसके बाद, कंपनी उन बाइक्स को चलाकर निवेशक को मासिक किराया, ईएमआई, बोनस और रेफरल पर अतिरिक्त इंसेंटिव देगी।

निवेशकों को आकर्षित करने के लिए फ्रेंचाइजी भी दी गईं, लेकिन हकीकत यह थी कि अधिकांश शहरों में बाइक टैक्सी सेवा कभी शुरू ही नहीं हुई। ईडी की जांच से यह भी खुलासा हुआ कि निवेशकों से जुटाई गई रकम को संबंधित कंपनियों में डायवर्ट कर दिया गया और बाद में शैक्षिक ट्रस्ट, सोसायटी और व्यक्तियों के माध्यम से उपयोग किया गया। इस पैसे से मेरठ में कई अचल संपत्तियां खरीदी गईं और बैंकों से पहले से गिरवी रखी जमीनों को छुड़ाया गया।

ईडी ने इस मामले में कुल 394.42 करोड़ रुपए की संपत्तियों को अटैच किया है। इसमें अचल संपत्तियां और गिरवी छुड़ाई गई जमीन शामिल हैं, जिनका मूल्य लगभग ₹20.49 करोड़ है। इसके अलावा, अपराध के समय मूल्यांकन की गई संपत्तियों का मूल्य लगभग ₹389.30 करोड़ आंका गया है। इसके साथ ही, 5.12 करोड़ रुपए की फिक्स्ड डिपॉजिट भी अटैच की गई हैं।

इससे पहले भी ईडी ने तीन अस्थायी अटैचमेंट आदेशों (20 जुलाई 2020, 4 अक्टूबर 2021 और 10 मई 2024) के जरिए 220.78 करोड़ रुपए की संपत्तियां अटैच कर चुकी है। अब तक 27 आरोपियों के खिलाफ अभियोजन शिकायत और 3 सप्लीमेंट्री शिकायतें गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए अदालत में दाखिल की जा चुकी हैं, जिन पर अदालत संज्ञान ले चुकी है। ईडी ने 20 दिसंबर 2020 और 20 जुलाई 2023 को कई स्थानों पर छापेमारी कर डिजिटल सबूत और अन्य दश्तावेज भी बरामद किए थे। इस मामले की ईडी की जांच अभी भी जारी है।

भारत दुनिया के श्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में खड़ा हो रहा है : दत्तात्रेय होसबाले

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को यहां कहा कि भारत करवट ले रहा है और दुनिया के श्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में खड़ा हो रहा है।

वह राष्ट्र निर्माण में दरभंगा राज के अध्यात्मिक और सांस्कृतिक योगदान पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर 'राज दरभंगा - धर्म संरक्षण से लेकर लोक कल्याण तक' पुश्तक का विमोचन भी किया गया।

श्री होसबाले ने कहा कि विदेश के इतिहासकारों ने इस मिथ को स्थापित किया कि राजा मौज-मश्ती और विलासिता में डूबा रहता है, लेकिन हमारे देश में राजा को लोक कल्याण के कार्यों के साथ उच्च मानक स्थापित करने वाले के तौर पर देखा गया। उन्होंने कहा कि भारत में राजा को देवता माना गया जो प्रजा के लिए समान भाव के साथ मर्यादा का पालन करते थे। हमारे देश में प्रभु श्रीराम, राजा दशरथ, राजा हरिश्चंद्र, राजा भगीरथ ने लोक कल्याण और मर्यादा के प्रतिमान स्थापित किए। श्री होसबाले ने मिथिला के स्वर्णिम इतिहास और परंपरा पर चर्चा करते हुए कहा कि सांस्कृतिक, साहित्य, परंपरा और लोक कल्याण के क्षेत्र में लंबी फेहरिश्त है।

उन्होंने इस अवसर पर दरंभगा राजघराने के कुमार अरिहंत को 18वें जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि दरभंगा के राजा ने हिंदू धर्म की रक्षा के लिए देश में विभिन्न स्थानों पर सम्मेलन का भी आयोजन किया था और विश्व हिंदू परिषद की स्थापना में भी आगे बढ़कर मदद की थी।

इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में कई आधुनिक संस्थानों की स्थापना के साथ काशी हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना में शुरूआती पांच लाख की राशि दी थी। उन्होंने मदन मोहन मालवीय जी के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के लिए एक करोड़ से अधिक की धनराशि का प्रबंध कराया था। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि जब मैं पहली बार 2014-2015 में दरभंगा पहुंचा तो वहां के स्थापत्य, कला और साहित्य से अभिभूत हो गया। उन्होंने मिथिला की धरती और दरभंगा राजघराने को इतिहास की बेमिसाल धरोहर बताया। उन्होंने कहा कि मिथिला की धरती राजा जनक और माता सीता के साथ गार्गी और याज्ञवल्क्य संवाद की भी साक्षी रही है।

ईडी ने करीब 697 करोड़ से जुड़े घोटाले में अमित अग्रवाल को किया गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को कहा कि उन्होंने देश से 696.69 करोड़ रुपये की अवैध हेराफेरी से जुड़े धन शोधन के एक बड़े मामले में कथित प्रमुख संचालक अमित अग्रवाल को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार के बाद आरोपी को पीएमएलए अदालत के सामने पेश किया गया, जहां उसे सात दिन के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया गया। यह गिरफ्तारी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रही जांच से जुड़ी है। ईडी की पीएमएलए जांच दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा दर्ज एक एफआईआर के आधार पर शुरू हुई है।

एफआईआर में किंजल फ्रेट फॉरवर्डिंग (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड और उसके सहयोगियों पर भारतीय दंड संहिता 1860 के तहत धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक षड्यंत्र समेत गंभीर अपराधों के आरोप लगाए गए हैं। शुरुआती आरोप था कि चार्टर्ड अकाउंटेंट विकास मोहपाल ने अपने प्रमाण-पत्रों का गलत इश्तेमाल कर अहम दश्तावेज फॉर्म 15सीए और 15सीबी की जालसाजी की, जो विदेशी धन प्रेषण को अधिकृत करने के लिए आयकर विभाग द्वारा जरूरी थे। जांच में सामने आया कि आरोपी संस्थाओं ने माल, सेवाओं और माल ढुलाई शुल्क के आयात के भुगतान के नाम पर धोखाधड़ी कर हांगकांग और

सिंगापुर में 696.69 करोड़ रुपये भेजे। हालांकि इनमें से ज़्यादातर लेन-देन में भारत को कभी कोई सामान या सेवा नहीं दी गई। इससे देश को विदेशी मुद्रा का भारी नुकसान हुआ।

संस्थाओं के मालिकों ने इस घोटाले को अंजाम देने के लिए एक जटिल नेटवर्क वाली शेल कंपनियां बनाईं। इन कंपनियों के बैंक खाते खोलने के लिए निदेशक और साझेदारों के सभी पहचान पत्र फर्जी इश्तेमाल किए गए। इस कार्यप्रणाली में नकदी के बदले में इन खातों में फर्जी जमा प्रविष्टियां दर्ज की गईं।

इसके बाद, फर्जी एयरवे बिल, चालान तथा महत्वपूर्ण जाली फॉर्म 15सीबी प्रमाणपत्र जैसे जाली दश्तावेजों का उपयोग करके धनराशि को अवैध रूप से भारत के बाहर भेजा गया। ईडी ने अपनी जांच में अमित अग्रवाल को इस ऑपरेशन के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से एक बताया। उन पर फर्जी संस्थाओं का जाल बिछाने, जाली पहचान पत्रों का उपयोग करके बैंक खाते खोलने और नकद-आधारित जमा प्रविष्टियों की व्यवस्था करने में अहम भूमिका निभाने का आरोप है, जिससे बड़े पैमाने पर धन विदेश भेजा जा सका।

सात्विक-चिराग की जोड़ी जीता कांस्य पदक

✷ वेबवार्ता. शिलांग ✷

भारतीय बैडमिंटन जोड़ी सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

शनिवार को एक घंटे सात मिनट तक चले मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को चीन के चेन बोयांग और लियू यी ने 19-21, 21-18,12-21 से हराया। विश्व चैंपियनशिप में सात्विक-चिराग की जोड़ी का यह दूसरा कांस्य पदक है। इससे पहले सात्विक-चिराग ने टोक्यो में 2022 में हुई बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में भी कांस्य पदक जीता था।

भारतीय जोड़ी ने मैच की अच्छी शुरुआत की और 4-0 की बढ़त बना ली। मिड-गेम ब्रेक तक 11-5 की बढ़त बनाए रखी। लेकिन इसके बाद चीनी जोड़ी ने वापसी की और 14-13 की बढ़त हासिल कर ली और इस बढ़त को बरकरार रखते हुए पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 5-1 की बढ़त हासिल की, लेकिन चीनी जोड़ी ने इसे 11-9 कर दिया। लेकिन एक बार फिर सात्विक और चिराग ने अपनी पकड़ को मजबूत किया और 16-11 से बढ़त बना ली। इसके बाद चेन बोयांग और लियू यी ने वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया, लेकिन 32 शॉट की रोमांचक रैली ने सात्विक-चिराग को गेम प्वाइंट दिलाया और मैच को निर्णायक तक पहुंचाया। निर्णायक मुकाबले में, चेन बोयांग और लियू यी ने वापसी करते हुए 9-0 की बड़ी बढ़त बना ली और भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

मुजफ्फरनगर के जाहिद का चांदपुर तालाब में मिला शव , परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

✷ **एनसीआर टुडे. चांदपुर** ✷। थाना क्षेत्र के गांव स्याऊ में एक तालाब से 22 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान मुजफ्फरनगर के गांव तेवड़ा निवासी जाहिद पुत्र जमील के रूप में हुई है। जाहिद पेशे से मछुआरा था और दो बच्चियों का पिता था। मृतक जाहिद 28 तारीख से लापता था। परिजनों ने ककराला थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आज सुबह करीब 8 बजे तालाब में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की मां शहनाज ने बताया कि पंजाब के एक करने कराने वाले ने उन्हें स्याऊ में उनके बेटे के होने की सूचना दी थी। उन्हें यह भी बताया गया था कि उनके बेटे को वहां बंद कर रखा है। शनिवार को जब वह स्याऊ स्थित तालाब पर पहुंचे, तो तालाब के ठेकेदार ने उन्हें बताया कि जाहिद को पट्टी लगाकर मछली पकड़ते देखा था। मां ने अपने बेटे के जिंदा उन्हें या पुलिस को देने की गुहार लगाई थी। लेकिन आज उन्हें बेटे का शव मिला है।मां ने तालाब ठेकेदारों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। परिजनों ने तालाब के ठेकेदारों पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतक के पिता जमील ने न्याय की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामले में सीओ चांदपुर देश दीपक सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

शक्ति दीदी अभियान अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। मिशन शक्ति फेज-05 के विशेष अभियान शक्ति दीदी के तहत थानों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों, समश्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा विशेष दल द्वारा गाँवों, कस्बों व मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा बस स्टैंड, बाजार, गांव, कस्बा, स्कूल, कॉलेज व कोचिंग सेंटर इत्यादि सार्वजनिक एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर बालिकाओं व महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक करते हुए शक्ति दीदी के रुप में महिलाओं व बालिकाओं से जुड़ कर उन्हे सक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। शक्ति दीदी अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को शासन व यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, साइबर सम्बन्धी एवं सीयूजी नम्बरों के बारे में विश्तृत जानकारी देकर जागरुक किया जा रहा है। महिलाओ एवं बालिकाओं से वार्ता कर उनके अन्दर आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रयत्न किया जा रहा है।

एसपी सिटी के आश्वासन के बाद डॉक्टरों की हड़ताल खत्म

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷।अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के जेएन मेडिकल कॉलेज में चल रही जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल खत्म हो गई है। एएमयू के अधिकारी लगातार डॉक्टरों से बात करके हड़ताल खत्म कराने का प्रयास कर रहे थे। शनिवार को अधिकारियों ने दुबारा जूनियर डॉक्टरों से बातचीत की। एएमयू की टीम के साथ एडीएम वित्त और एसपी सिटी भी बातचीत के दौरान मौजूद रहे। एएमयू प्रॉक्टर ने डॉक्टरों को आश्वासन दिया है कि इमरजेंसी और मेडिकल कालेज कैंपस के अंदर अतिरिक्त सुरक्षा गार्ड तैनात किए जाएंगे, जो डॉक्टरों की सुरक्षा देखेंगे। वहीं जब तक यह टीम नहीं बन जाती है, तब तक पुलिस के जवान इमरजेंसी में तैनात रहेंगे और सुरक्षा व्यवस्था देखेंगे। प्रशासन और पुलिस के आश्वासन के बाद डॉक्टर दुबारा काम पर लौट आए और हड़ताल खत्म कर दी। एएमयू ने डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए इमरजेंसी और हॉस्पिटल कैंपस में स्थायी रूप से सुरक्षा कर्मियों की पिकेट तैनात रखने का आश्वासन दिया है। जल्दी ही इस काम को पूरा कर दिया जाएगा। जब तक यह व्यवस्था पूरी नहीं होती है, तब तक पुलिस के जवान मौजूद रहेंगे। एसपी सिटी मृगांक शेखर पाठक ने डॉक्टर्स को आश्वासन दिया कि उनकी सुरक्षा के लिए पुलिस 24 घंटे मौजूद रहेगी। उन्होंने अस्थाई रूप से पुलिस पिकेट बनाई है और दो कांस्टेबलों की तैनाती की है। जो 24 घंटे पुलिस के दो कॉन्स्टेबल इमरजेंसी पर मौजूद रहेंगे और डॉक्टर्स की सुरक्षा व्यवस्था का ध्यान रखेंगे।

स्वयंभू संत रामपाल को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत, उम्रकैद की सजा पर रोक

चंडीगढ़, एजेंसी।
सतलोक आश्रम बरवाला के स्वयंभू संत रामपाल को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। वर्ष 2014 में आश्रम के भीतर महिला अनुयायियों की मौत के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे रामपाल की सजा पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। 10 साल से जेल में बंद रामपाल के लिए रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। जस्टिस गुरविंद्र सिंह गिल और जस्टिस दीपिंद्र सिंह नलवा की खंडपीठ ने रामपाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ यह आरोप जरूर है कि उसने महिलाओं को आश्रम में बंद रखा था लेकिन मेडिकल साक्ष्यों को लेकर गंभीर बहस योग्य मुद्दे मौजूद हैं। रामपाल की उम्र 74 वर्ष है और वह पहले ही 10 साल 27 दिन की वास्तविक सजा काट चुका है। साथ ही मृतक के पति और सास ने भी अभियोजन पक्ष का समर्थन नहीं किया। ऐसे हालात में अदालत ने उसकी उम्रकैद की सजा को मुख्य अपील लंबित रहने तक निलंबित करने का आदेश दिया।

डॉक्टरों की रिपोर्ट में महिला की मौत की वजह न्यूमोनिया बताई: रामपाल ने अक्तूबर 2018 में

सैशन कोर्ट द्वारा सुनाई गई सजा को चुनौती देते हुए सजा निलंबन की मांग की थी। उसे आई.पी.सी. की धारा 343, 302 और 120-बी के तहत दोषी ठहराया गया था। रामपाल के वकील ने दलील दी कि उसे झूठा फंसाया गया है और यह मामला प्राकृतिक मौत का है। डॉक्टरों की रिपोर्ट के अनुसार, महिला की मौत न्यूमोनिया से हुई थी। यहां तक कि मृतका के पति और सास ने भी अदालत में स्वीकार किया कि मृतका एक माह से न्यूमोनिया से पीड़ित थी। बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि 13 अन्य सह-आरोपी पहले ही जमानत पर रिहा हो चुके हैं, इसलिए रामपाल को भी समान आधार पर राहत मिलनी चाहिए। वहीं, राज्य सरकार ने इस याचिका का विरोध करते हुए कहा कि मृतका समेत कई महिलाओं को रामपाल के आश्रम में कैद कर रखा गया था, जहां उसे न तो पर्याप्त भोजन दिया जाता था और न ही रहने की सुविधा। सरकार का दावा था कि महिलाओं की मौत दम घुटने के कारण हुई। फिलहाल, हाईकोर्ट ने रामपाल की शेष सजा पर रोक लगा दी है और यह आदेश मुख्य अपील के निपटारे तक लागू रहेगा।

हरियाणा सरकार में सिंचाई विभाग में जेई की नौकरी छोड़कर बाबा बने रामपाल अपने अनुयायियों के लिए रोहतक और हिसार के बरवाला में सतलोक आश्रम की स्थापना की थी। रामपाल के जीवन में विवादों की शुरुआत साल 2006 में हुई, जब स्वामी दयानंद की लिखी एक किताब पर एक टिप्पणी की। इसके बाद आर्यसमाज बाबा रामपाल के खिलाफ खड़ा हो गया। आर्यसमाज और बाबा के अनुयायियों के बीच संघर्ष हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस घटना के बाद, रामपाल पर हत्या का मामला दर्ज हुआ। पुलिस ने आश्रम को अपने कब्जे में लिया। रामपाल और उनके 24 समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया गया। 2008 में बाबा जेल से बाहर आ गया और 2009 में बाबा रामपाल को आश्रम वापस मिल गया। इसके ?खिलाफ आर्यसमाज के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दी। कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। इसके बाद 12 मई 2013 को नाराज आर्यसमाज के लोगों और रामपाल के समर्थकों में फिर झड़प हुई। इस झड़प में तीन लोगों की मौत हो गई और 100 लोग घायल हो गए। 2014 में रामपाल के खिलाफ अदालत में पेश न होने के कारण अवमानना के आरोप में गिरफ्तारी का आदेश दिया गया। पुलिस जब सतलोक आश्रम पर उसे गिरफ्तार करने गई तो रामपाल के समर्थकों ने पुलिस पर धावा बोल दिया। एक सप्ताह तक चले इस संघर्ष में छह लोगों की मौत हो गई। इसके बाद, रामपाल को गिरफ्तार कर चंडीगढ़ ले जाया गया। रामपाल पर कई आरोप लगे, जिनमें हत्या, अवैध हथियार रखना और दंगा करना शामिल थे। साल 2018 में हिसार की अदालत ने उसे दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

यूरिया को लेकर विवाद, दारोगा ने किसान को मारा थप्पड़; वायरल वीडियो देख भड़के लोग

नारायणपेट, एजेंसी। तेलंगाना के नारायणपेट जिले में दारोगा ने यूरिया को लेकर हुए विवाद के दौरान एक किसान को थप्पड़ मार दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसे देखने के बाद लोगों का गुस्सा भड़क गया और विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। यह घटना शनिवार को तिलेरु में प्राथमिक कृषि सहकारी समिति में हुई। सुबह से ही बड़ी संख्या में किसान यूरिया खरीदने के लिए जमा हुए थे। स्टॉक कम होने और मांग अधिक होने के कारण किसानों में कमी को लेकर निराशा बढ़ गई, जिससे तनाव पैदा हो गया। किसानों ने अधिकारियों से पर्याप्त यूरिया बैग की व्यवस्था करने की मांग रखी। इस दौरान भीड़ बेकाबू होती जा रही थी जिसे नियंत्रित करने में पुलिस को कठिनाई होने लगी। इस अराजकता के बीच, भीड़ को नियंत्रित करने के लिए तैनात दारोगा को एक किसान से उलझते देखा गया। वीडियो में दिख रहा है कि पुलिस अधिकारी ने किसान को थप्पड़ मार दिया। इस घटना ने तुरंत विरोध प्रदर्शन को और भड़का दिया। मौके पर मौजूद नाराज किसानों ने पुलिस और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि यह घटना अनजाने में या दुर्घटनावश हुई थी। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया गया, जिसमें कई यूजर्स और किसान संगठनों ने पुलिस के बर्ताव पर सवाल उठाए। साथ ही, यूरिया की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने में असमर्थता की आलोचना की। यह घटना ऐसे समय में हुई जब किसान उर्वरकों की कमी के कारण संकट का सामना कर रहे हैं और चिंतित हैं।

कोर्ट बीच में नहीं आ सकते, नए ऑनलाइन गेमिंग ऐक्ट को लेकर केंद्र का कर्नाटक हाईकोर्ट को जवाब

बेंगलुरु, एजेंसी।
नए ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम को लेकर कर्नाटक हाई कोर्ट द्वारा पूछे गए सवाल का केंद्र सरकार ने जवाब दिया है। केंद्र सरकार की ओर से जवाब देने के लिए आए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय को बताया कि इस ऐक्ट को लागू करने में अब अदालतें आड़े नहीं आ सकती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक बार किसी कानून को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल जाने के बाद उसके ऊपर न्यायिक प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। यह एक संवैधानिक काम है। नए ऑनलाइन गेमिंग ऐक्ट का बचाव करते हुए सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि संसद में पारित होने के बाद और राष्ट्रपति द्वारा मंजूरी मिलने के बाद इसे रोकने की कोई गुंजाइश नहीं बचती है। इसके बाद जब अदालत ने पूछा कि क्या इस ऐक्ट को लेकर अधिसूचना जल्द ही जारी हो जाएगी? इसका जवाब देते हुए तुषार मेहता ने कहा कि ऐसा जल्दी ही हो सकता है। सॉलिसिटर जनरल की कर्नाटक हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति बी एम श्यामा प्रसाद की पीठ के सामने दी गई इन दलीलों का मतलब है कि

एक वर्ग के विरोध के बावजूद सरकार जल्दी ही असली पैसे वाले इन ऑनलाइन गेम और उनके प्रचार पर बैन लगा देगी।

गौरतलब है कि मॉनसून सत्र में सरकार द्वारा लाए गए इस विधेयक और अब ऐक्ट के खिलाफ ए23 (ऑनलाइन रमी और पोकर प्लेटफार्म) की मूल कंपनी हेड डिजिटल वर्क्स ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। कंपनी की तरफ से पेश हुए वकील आर्यमा सुंदरम ने शनिवार को ही हाई कोर्ट ने अनुरोध किया कि ऐक्ट पर फिलहाल अंतरिम रोक लगाई जाए और इसे खारिज करने के अनुरोध पर विचार किया जाए।

भगवान से बदला ले रहा था, 10 साल से मंदिरों में चोरी कर रहा था शख्स

दुर्ग, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के दुर्ग में और उसके आसपास के मंदिरों से पिछले एक दशक से हो रही चोरियों का आरोपी को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 45 साल का ये शख्स मंदिरों के दानपात्रों के ताले तोड़कर पैसे चुराता था और बिना कोई सबूत छोड़े गायब हो जाता था। उसका कहना है कि वह भगवान से बदला लेने के लिए इन चोरियों को अंजाम देता था।

रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी एचआईवी पॉजिटिव है। 2012 में एक मारपीट के मामले में जेल की सजा काटते समय उसे ये बीमारी हो गई और तभी से भगवान पर से उसका विश्वास उठ गया। उसने कहा कि भगवान को उनकी जगह दिखान के लिए मैंने मंदिरों को निशाना बनाने का फैसला किया। रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी ने दुर्ग और आसपास के इलाकों में मौजूद मंदिरों से 10 चोरियों की बात स्वीकार की है। हालांकि पुलिस को शक है इसमें और भी लोग शामिल हो सकते हैं।

पुलिस ने बताया कि उसका चोरी का तरीका एक ही तरह का था। वह केवल दानपेटियों से कैश चुराता था। गहनों को छूता भी नहीं था। सीसीटीवी फुटेज में पहचाने जाने से बचने के लिए वह हर चोरी से पहले और

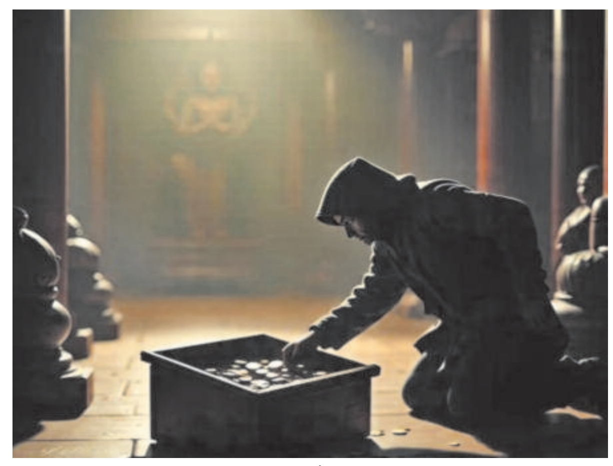

बाद में कपड़े बदल लेता था, और अपना जुपिटर स्कूटर हमेशा घटनास्थल से दूर खड़ा करता था। चोरी का ताजा मामला 23-24 अगस्त का है जब आरोपी ने जैन मंदिर में चोरी की थी। इसके अगले दिन उसे पूछताछ के लिए उठाया गया और फिर गिरफ्तार कर लिया गया।

कैसे पकड़ा गया आरोपी: रिपोर्ट के मुताबिक जैन मंदिर में चोरी के बाद पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए और त्रिनयन ऐप के ज़रिए उसकी गतिविधियों पर नज़र रखी। मुखबिरों को भी तैनात किया गया। सीसीटीवी कैमरे से क्लू मिलने के बाद आरोपी के घर का पता लगा लिया गया। कई बार कपड़े बदलने और कैमरों से बचने के लिए संकरी गलियों का इस्तेमाल करने के बावजूद, पुलिसउसकी गतिविधियों का पता लगाने में कामयाब रहे। फिर उसे घेर लिया गया और पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने 2012 में जेल से रिहा होने के तुरंत बाद मंदिरों को निशाना बनाना शुरू कर दिया था। वह पहले मंदिर की रेकी करता, अगले दिन अपने स्कूटर पर वापस आता, कुछ दूरी पर पार्क करता, कपड़े बदलता और फिर अंदर घुस जाता। चोरी के बाद, वह गलियों से भाग जाता, फिर से कपड़े बदलता और घर चला जाता।

80 प्रतिशत मराठा खेती पर निर्भर, आरक्षण एकमात्र विकल्पः शरद पवार

मुंबई, एजेंसी।
मुंबई में मराठा कोटा आंदोलन के फिर से शुरू हुआ है। इस बीच, एनसीपी (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को कहा कि इन मुद्दों को हल करने के लिए संवैधानिक संशोधन जरूरी है, क्योंकि आरक्षण पर एक सीमा लगी हुई है। उन्होंने कहा कि 80 प्रतिशत मराठा लोग खेती पर निर्भर हैं, लेकिन केवल कृषि उनके भविष्य को सुरक्षित नहीं कर सकती, इसलिए आरक्षण ही एकमात्र विकल्प है। पवार ने एक समारोह में कहा कि वे दूसरे सांसदों के साथ संवैधानिक संशोधन की जरूरत पर चर्चा कर रहे हैं।

शरद पवार ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण पर 52 प्रतिशत की सीमा तय की है, लेकिन तमिलनाडु में 72 प्रतिशत कोटा को अदालत ने मंजूरी दी थी। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर केंद्र सरकार की भूमिका पारदर्शी और स्पष्ट होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि देश को एक समान नीति की जरूरत है ताकि समाज में कोई कटुता न रहे। मालूम हो कि कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने शुक्रवार को मराठा समुदाय के लिए ओबीसी कोटा में आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई में अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया। वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उनकी सरकार मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे की मांगों को कानूनी और संवैधानिक ढांचे के भीतर पूरा करने के लिए काम

कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले साल मराठा समुदाय को (सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग श्रेणी के तहत) दिया गया 10 प्रतिशत आरक्षण अब भी लागू है। फडणवीस ने कहा कि मराठा समुदाय को शिक्षा और रोजगार प्रदान करने के लिए सबसे अधिक फैसले 2014 और 2025 के बीच लिए गए। यह वह अवधि है जब अधिकतर समय भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारें सत्ता में रही हैं। जरांगे के हजारों समर्थक दक्षिण मुंबई स्थित आजाद मैदान और उसके आसपास डेरा डाले हुए हैं, जहां जरांगे ने फिर से अपना आंदोलन शुरू किया है।

सीएम योगी पर अभद्र टिप्पणी में ईंट-भट्ठा मालिक पर 3 थानों में मुकदमा

गोरखपुर, एजेंसी।
सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अशोभनीय टिप्पणी का मामला सामने आया है। इस मामले में पिपराइच के भाजपा विधायक महेंद्र पाल सिंह के भाई और ईंट-भट्ठा मालिक भोलेंद्र पाल सिंह पर तीन थानों में केस दर्ज हुआ है। वहीं, पुलिस प्रशासन की टीम ने शनिवार रात पिपराइच क्षेत्र के रउतापार में भोलेंद्र प्रताप सिंह के ईंट-भट्ठे पर छापा मारा और अनियमितता मिलने पर नोटिस जारी किया है।

सीएम पर अशोभनीय टिप्पणी के मामले में साइबर थाने में मीडिया सेल में तैनात सिपाही रामबोध ने जबकि पिपराइच में गंगेश और रामगढ़ताल में सामाजिक कार्यकर्ता संजय त्रिपाठी की तहरीर पर केस दर्ज किया गया। वहीं, वायरल होने के बाद पोस्ट को डिलीट कर दिया गया।

सिपाही रामबोध ने पुलिस को बताया कि सोशल साइट स्क्राल करते समय फेसबुक पर सीएम से संबंधित एक अभद्र अशोभनीय और आपत्तिजनक पोस्ट दिखा। पोस्ट गुलरिहा इलाके के जमुनिया निवासी भोलेंद्र पाल सिंह द्वारा खुद की आईडी से किया गया था। इस पोस्ट से भाजपा समर्थकों का एक वर्ग आक्रोशित है। इससे सामाजिक सद्भाव भी बिगड़

सकता है। इसी तहरीर पर साइबर थाने में केस दर्ज किया गया है। इसी तरह पिपराइच व रामगढ़ताल थाने में भी केस दर्ज कराया गया है। बताया जा रहा है कि पोस्ट को दो घंटे में ही डिलीट कर दिया गया था, लेकिन तब तक वायरल हो गया। विधायक महेंद्र पाल और उनके भाई भोलेंद्र पाल के बीच रिश्ते अच्छे नहीं बताए जा रहे हैं। दोनों परिवार के लोग पिछले 25 वर्ष से अलग-अलग रहते हैं। विधायक महेंद्र पाल सिंह ने बताया कि क्या पोस्ट किया गया है, इसकी जानकारी नहीं है। भाई का परिवार पिछले 25 वर्षों से अलग रहता है।

आहत हुए तो माफी मांगता हूं, वे मेरे बड़े भाई हैं, किरोड़ी-बेनीवाल के बीच हुई सुलह

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान की राजनीति में बीते दिनों आमने-सामने आए कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी सांसद हनुमान बेनीवाल के बीच अब सुलह हो गई है। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे पर दिए विवादित बयान को भुलाकर रिश्ते सुधार लिए हैं। डॉ. किरोड़ी ने बयान दिया कि अगर मेरे शब्दों से हनुमान बेनीवाल आहत हुए हैं तो मैं मीडिया के सामने माफी मांगता हूं। इसके जवाब में बेनीवाल ने कहा कि डॉक्टर साहब मेरे बड़े भाई हैं, उन्हें माफी मांगने की जरूरत नहीं है। हालांकि, उन्होंने डॉक्टर किरोड़ी से अपने करीबी नरेश मीणा को जेल से छुड़वाने की मांग रखी।

बेनीवाल ने कहा कि नरेश मीणा से डॉ. किरोड़ी का झगड़ा हुआ था। वो आपके ही समाज का बच्चा है। आपकी उम्र और उसमें

काफी अंतर है। उसने हमेशा आपके लिए लड़ाई लड़ी है। उस बच्चे को जेल में डाल रखा है। उसे जेल से छुड़वाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि मैंने भी आपके लिए लड़ाई लड़ी है। मुझे उप-चुनाव हरवाने में सब लोग मिल गए थे। मेरा एमएलए फंड का 5 करोड़ रोक लिया गया। मैं डॉक्टर साहब का सम्मान करता हूं। उनके आस-पास कुछ घटिया लोग रहते हैं, जो उन्हें बरगलाते हैं।

बेनीवाल बोले कि हम आपके काम आए, आप हमारे काम आएं। अगर मैं आहत हुआ तो आरोप लगा दिए। हमारा तो टारगेट है कि हम भ्रष्टाचार और अन्याय के खिलाफ लड़ेंगे। डॉक्टर साहब ने भी लड़ाई लड़ी है। दरअसल, 27 अगस्त को कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा और ऋक्क सांसद हनुमान बेनीवाल के बीच एक टीवी चैनल के लाइव शो में बहस हो गई थी। इस दौरान दोनों ने एक-दूसरे को चोर और लुटेरा तक कह दिया था।

डॉ. किरोड़ी ने कहा था- तुम लुटेरे हो, चोर हो। मैंने खुद हाथ से पैसे दिए हैं। इसके जवाब में बेनीवाल ने पलटवार किया- लुटेरे आप हो। आप चोरों को बचाते हो। अपनी हद में रहकर बात करो। करीब चार मिनट तक दोनों नेताओं के बीच तीखी झड़प चली और उन्होंने एक-दूसरे को खरी-खोटी सुनाई।

बेनीवाल ने बाद में कहा कि हम आमने-सामने होते तो झगड़ा भी नहीं होता। टीवी वालों ने मुद्दा ही घुमा दिया। मैंने कहा था कि सरकार पर्दा डाल रही है, लेकिन टीवी वालों ने मेरे हवाले से कह दिया कि डॉक्टर साहब पर्दा डाल रहे हैं। इस तरह से हमें लड़ाया गया और चैनल ने टीआरपी बढ़ाई।

इस विवाद ने दोनों नेताओं के समर्थकों को भी नाराज कर दिया था। दरअसल, किरोड़ीलाल मीणा और हनुमान बेनीवाल लंबे समय से अच्छे रिश्ते रखते आए हैं। जब किरोड़ी ने बीजेपी से अलग होकर पार्टी बनाई थी, तब भी उनके और बेनीवाल के बीच सियासी गठबंधन था। दोनों एक मंच पर दिखाई देते थे। ऐसे में उनके समर्थकों को यह झगड़ा रास नहीं आया। उन्हें डर था कि इस तरह के सार्वजनिक विवाद से पर्सेप्शन पर असर पड़ेगा और दोनों को नुकसान झेलना पड़ सकता है। यही वजह रही कि दोनों नेताओं ने तुरंत अपने तेवर बदल लिए और सुलह कर ली।

सियासी गलियारों में यह माना जा रहा है कि इस विवाद से दोनों नेताओं को यह अहसास हो गया है कि सार्वजनिक झगड़े से फायदा किसी और को होगा और नुकसान इन्हें झेलना पड़ेगा। यही कारण है कि दोनों ने रिश्ते सुधारने में देर नहीं की। डॉ. किरोड़ी ने माफी मांगकर विवाद को खत्म करने की कोशिश की तो बेनीवाल ने उन्हें बड़े भाई की संज्ञा देकर मामला शांत कर दिया। हालांकि, नरेश मीणा को लेकर उनकी मांग अब भी बनी हुई है।

घर के सामने भद्दे कमेंट का विरोध करने पर मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी थाना क्षेत्र में घर के सामने भद्दे कमेंट का विरोध करने पर कॉलोनी निवासी तीन युवकों ने शनिवार को साथी के साथ मिलकर दंपति के साथ मारपीट की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। लोनी थाना क्षेत्र के जाटव मोहल्ला निवासी सतीश कुमार के साथ शनिवार को कॉलोनी के तीन युवकों ने साथी के साथ मिलकर मारपीट की। आरोप है कि हमलावर युवक उनके घर के सामने खड़े होकर भद्दे कमेंट करते हैं। उन्होंने युवकों की इस बात का विरोध किया तो आरोपियों ने गली में उनके साथ मारपीट की। शोर मचने पर उनकी पत्नी मौके पर पहुंचीं तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की। गली के लोगों के एकत्र होने पर आरोपी उन्हें अंजाम भुगतने की धमकी देकर फरार हो गए। उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की है।

पुरानी रंजिश के चलते तीन भाइयों के साथ मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र में पुराने विवाद के चलते एक व्यक्ति ने साथियों के साथ मिलकर पड़ोस में रहने वाले तीन भाइयों से मारपीट की। पीड़ित के भाई की शिकायत पर पुलिस ने चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। अंकुर विहार शरद सिटी में निवासी सूरज, अभिषेक व अर्जुन 28 अगश्त की शाम करीब नौ बजे घर के बाहर गली में खड़े थे। इस दौरान प्रदीप, सुरेंद्र बंसल निवासी गिरही कटैया अपने साथी सुखराम निवासी अंकुर विहार व कुछ अज्ञात साथियों के साथ पहुंचे। बताया गया कि कुछ समय पूर्व प्रदीप और अर्जुन के बीच बाइक हटाने को लेकर विवाद हो गया था। पुरानी रंजिश के चलते ही प्रदीप ने साथियों के साथ मिलकर भाइयों से मारपीट करनी शुरू कर दी। जब भाइयों ने हमलावरों का विरोध किया तो उनके साथ भी मारपीट की गई, जिससे तीनों भाइयों को चोटें आईं। लोगों के एकत्र होने पर हमलावर मौके से फरार हो गए। इसके बाद भाइयों ने अर्जुन को निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने के चलते बाद में उसे दिल्ली लक्ष्मी नगर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित के भाई ने मामले की शिकायत पुलिस से की और हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

किशोर लापता, अपहरण की आशंका

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के गांव सीकरी खुर्द निवासी 16 वर्षीय किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। परिजनों ने अपहरण करने की आशंका जताते हुए तहरीर दी है। गांव सीकरी खुर्द निवासी अरुण कुमार ने बताया कि 16 वर्षीय भतीजा तनिष गौतम शुक्रवार सुबह घर से बाहर गया था, लेकिन वापस नहीं आया। काफी तलाश करने के बाद भी जब वह नहीं मिला तो अपहरण की आशंका जताते हुए तहरीर दी है। सीओ ने बताया कि किशोर की तलाश शुरू कर दी गई है।

शादी से इंकार करने पर किशोरी को धमकाया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के थानाक्षेत्र एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि 15 वर्षीय पुत्री को गांव निवासी युवक छह माह से परेशान कर रहा है। आरोपी किशोरी को मोबाइल और सिम देकर बात करने का दबाव बनाता है। इतना ही नहीं, शादी न करने पर किशोरी और परिजनों को जान से मारने की धमकी दे रहा है। डर के कारण किशोरी घर से बाहर नहीं निकल पा रही है। सीओ ने बताया कि तहरीर के आधार पर रविन्द्र के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

सड़क क्षतिग्रस्त करने के विरोध पर जानलेवा हमला

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के गांव सीकरी खुर्द में निर्माण के दौरान सड़क को क्षतिग्रश्त करने के विरोध पर दबंगों ने ठेकेदार और उसके साथी पर जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी है। गांव सीकरी खुर्द में रहने वाले प्रवीण कुमार नगर पालिका परिषद में निर्माण विभाग में ठेकेदारी करते हैं। प्रवीण ने बताया कि गांव सीकरी खुर्द में ही सीसी रोड का निर्माण कार्य करा रहे हैं। आरोप है कि गांव के दबंग निर्माण कार्य के दौरान सड़क को क्षतिग्रश्त करने लगे। इतना ही नहीं, सड़क के बीचोंबीच खूंटा गाड़ दिया। जब इसका विरोध किया तो मारपीट करने लगे। आरोपियों ने धारदार हथियार से हमला कर प्रवीण और उनके साथी अमित को गंभीर रूप से घायल कर दिया। चीख पुकार सुन ग्रामीणों को आता देखकर आरोपी फरार हो गए। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने दोनों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद मोदीनगर थाने में आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने विकास, राहुल और अमित निवासी अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

समाज की एकता और शिक्षा से ही बनेगी नई पहचान: धर्मवीर प्रजापति

✷ एनसीआर टुडे. चांदपुर ✷। बिजनौर के चांदपुर कस्बे में रविवार को महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती के उपलक्ष्य में निकली भव्य बाइक रैली एवं झांकियां ने इतिहास रच दिया। क्षेत्र की गलियों और सड़कों पर प्रजापति समाज के हजारों बाइक और सैकड़ों वाहनों का काफिला देखते ही बन रहा था। जैसे ही रैली ने मुख्य बाजारों से गुजरना शुरू किया, सड़कें समाज की एकजुटता और उमंग से सराबोर हो गईं। इस दौरान जगह-जगह समाज के लोगों ने पुष्पवर्षा कर रैली का स्वागत किया। इस विराट आयोजन में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा धर्मवीर प्रजापति मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उनके आगमन पर समाज के युवाओं ने ढोल-नगाड़ों और जयकारों के साथ जोरदार स्वागत किया। मंच पर पहुंचते ही नारे गूंज उठे – "धर्मवीर प्रजापति ज़िंदाबाद", "प्रजापति समाज एकता अमर रहे"।

मीठोपुर में गुलदार के आतंक से ग्रामीण परेशान, पालतू जानवरों को बना रहा निवाला

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷

थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक गांव में गुलदार का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते एक माह के भीतर गुलदार के हमलों में कई पालतू जानवरों की मौत हो चुकी है। बीती रात भी गुलदार ने पशुशाला में बंधी एक कटिया को अपना निवाला बना लिया।

जिससे गांव के लोग भारी दहशत में हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार विभागीय अधिकारियों को जानकारी दी, लेकिन रेंजर खुद अपने को बीमार बता कर मोके पर जाना भी गंवारा नही करते हैं।

बताया जाता है कि शुक्रवार को देर रात थाना क्षेत्र के गांव मिठ्ठोपुर में गांव निवासी मोहम्मद नासिर पुत्र मोहम्मद अली की कटिया जो कि घर के पास बनी पशुशाला में बंधी हुई थी गुलदार ने हमला कर कटिया को अपना निवाला बना। पशुशाला में हो रहे शोर

को सुनकर परिजन जब पशुशाला में पहुचे तो गुलदार आहट सुनकर वहां से भाग गया। पशुशाला स्वामी ने देखा कि मौके पर कटिया मरी पडी है। इससे पहले 03 अगश्त को कलवा पुत्र अब्दुल शकूर की पांच बकरियां गुलदार का शिकार बनी थीं।

वहीं 06 अगश्त को रईस पुत्र रशीद की एक बकरी पर हमला हुआ, जो गंभीर रूप से घायल होने के बाद इलाज के दौरान दम तोड़ गई। इन घटनाओं के बाद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है और पशुपालकों में गहरा आक्रोश पनप रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि न केवल गुलदार का खौफ बढ़ रहा है, बल्कि अब तक किसी भी पीड़ित किसान को मुआवज़ा भी नहीं मिला। हर बार विभागीय कर्मचारी सिर्फ इतना कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं कि मुआवज़ा दिलाया जाएगा, लेकिन जमीनी श्तर पर आज तक किसी को राहत नहीं मिली। इससे किसानों में गुस्सा और बढ़ता जा रहा है।

गांव वालों का कहना है कि अगर हालात ऐसे ही बने रहे तो वे अपने पालतू जानवरों की सुरक्षा के लिए खुद मोर्चा संभालने पर मजबूर होंगे।इस बाबत इस संबंध में सहुवाला वन रेंज के रेंजर से संपर्क साधने की कोशिश की गई तो उन्होंने कॉल तक रिसीव करना भी गंवारा नहीं किया।

बिजली विभाग छापेमारी से मचा हड़कंप

✷एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर में बिजली चोरी करने वालों की अब खैर नहीं। द्वितीय विद्युत उपखंड अधिकारी अरविंद कुमार बिंद की अगुवाई में विभागीय टीम ने बीते दिवस जबरदश्त छापेमारी कर बिजली चोरों की नींद उड़ा दी।

अचानक हुई दबिश में कई जगह कटवा डालकर और मीटर में सेंटिंग (सन्ट) से चोरी करते उपभोक्ता पकड़े गए। टीम ने मौके पर ही एफआईआर दर्ज कराई और संदिग्ध घरों के मीटर बाहर कर दिए। इस बड़ी कार्रवाई के बाद नगर में बिजली चोरी करने वालों के बीच खौफ़ का माहौल है।

अधिकारियों का सख़्त संदेश

नगर में बिजली चोरी रोकने के लिए द्वितीय विद्युत उपखंड अधिकारी अरविंद कुमार बिंद ने कहा कि बिजली चोरी करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और आगे भी लगातार अभियान जारी रहेगा।

इस बिजली चोरी पकड़ने के अभियान में सुदेश कुमार, मदनपाल, शुभम, नरेंद्र सिंह, धीर सिंह, लव कुश, बॉबी शर्मा, कपिल, बहराम आदि कर्मचारी शामिल रहे।

पुलिस मुठभेड़: अन्तर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह के दो बदमाश गिरफ्तार

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

साहिबाबाद क्षेत्र में पुलिस और अन्तर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह के बीच देर रात मुठभेड़ हो गई। इस एनकाउंटर में गिरोह के दो शातिर बदमाश फारुख सलमानी और शाहनवाज उर्फ गोलू को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया।

दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, स्वॉट टीम और थाना लिंक रोड पुलिस को सूचना मिली थी कि चार पहिया वाहन चोरी करने वाला गिरोह इलाके में सक्रिय है।

चेकिंग के दौरान संदिग्ध वाहन को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी।

जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश घायल हो गए और उन्हें मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार बदमाशों के पास से चोरी की दो कारें और अवैध हथियार बरामद हुए हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गिरोह मारुति कंपनी की कारों को निशाना बनाता था और उन्हें दिल्ली-एनसीआर से चुराकर उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में बेचता था। दोनों पर दिल्ली, गाजियाबाद, हापुड़ और उत्तराखंड समेत कई राज्यों में 30 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

सीओ साहिबाबाद श्वेता कुमारी यादव ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए अभियान जारी है।

पुलिस ने चार वारंटी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया

एनसीआर टुडे. नगीना। पुलिस अधीक्षक बिजनौर के निर्देशानुसार वारंटीयों की घर पकड़ के अभियान के चलते नगीना पुलिस ने चार उ वारंटीयों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार शाहिद अहमद पुत्र जमीर, दानिश पुत्र अजमल मोहल्ला लोहारी सराय, नदीम पुत्र रफीक निवासी मोहल्ला शाहज़हीर थाना पर कस्बा नगीना, गुलफाम पुत्र मोहम्मद उमर मोहल्ला नाल बन्दान गरबा थाना नगीना, को संबंधित धाराओं में जेल भेज दिया है जेल भेजने वाली टीम में सब इंस्पेक्टर सुकरामपाल सिंह, उप निरीक्षक दीपक शर्मा, उप निरीक्षक सुभाष तोमर, कांस्टेबल 2125 जयदेव सिंह थाना में कस्बा नगीना, कांस्टेबल राजेश कुमार थाना में कस्बा नगीना आदि टीम में शामिल थे माननीय पुलिस मैन निरीक्षक बरेली के निर्देशानुसार वारंटी होगी घर पकड़ के अंतर्गत लगातार वारंटी को पड़कर जेल भेज रही है

पीस पार्टी की बैठक मोहल्ला सराय मीर में आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

पीस पार्टी की एक मीटिंग मोहल्ला सराय मीर नगीना में आयोजित हुई। मीटिंग के मुख्य अतिथि राशिद उमर मदनी रहे। इस मीटिंग की अध्यक्षता प्रधान वसीम अहमद मंसूरी ने की। मीटिंग का संचालन ज़ाहिद अंसारी ने किया।

पीस पार्टी के जिला अध्यक्ष इफ्तेखार हुसैन व राष्ट्रीय महासचिव राशिद उमर मदनी का फूल मालाओं से जोर दार स्वागत किया।

इस पीस पार्टी की मीटिंग में काफ़ी लोगों ने पीस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। एमआईएम पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ता ने पार्टी छोड़कर पीस पार्टी में शामिल हुए ।

पीस पार्टी के ज़िला अध्यक्ष इफ़्तिख़ार हुसेन ने सलीम अहमद को नगर अध्यक्ष मनोनीत किया तथा खलील अहमद को नगीना विधानसभा अध्यक्ष मनोनीत किया। एम आई एम के विधानसभा अध्यक्ष मोबीन अहमद उर्फ गुड्डू साहब ने अपने दर्जनों साथियों के साथ पीस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उनको जिले की टीम मेंशामिल किया गया।

अल्ताफ अली, मोहम्मद सोहेल, मोहम्मद शावेज, मोहम्मद मोबीन, मोहम्मद उस्मान, नौशाद अली, आदि दर्जनों लोग भी पीस पार्टी में शामिल हुए। ज़िला अध्यक्ष इफ्तेखार हुसैन ने कहा की एक अकेली पीस पार्टी ही है जो सभी वर्गों की बात करती है।

वरना कोई पार्टी केवल हिंदुत्व की बात करती है और कोई केवल मुसलमानों की बात करती है। कोई यादव की बात करती है कोई दलित की बात करती है। कोई अगड़ों पिछड़ों की बात करती है। मगर पीस पार्टी भारत के सभी मजलूमों को हक़ और इंसाफ़ दिलाने की बात करती हैं। चाहे वो किसी भी धर्म या किसी भी वर्ग का क्यों ना हो।

डॉक्टर मोहम्मद अयूब खाली मुस्लिमों के नेता नहीं है वो पूरे हिंदुस्तान की आवाम के नेता हैं। आज की तारीख में अगर जमीन पर कोई पार्टी है और वह मजलूमों के हक इंसाफ की लड़ाई लड़ रही है। केवल एक ही पार्टी है जिसका नाम पीस पार्टी है। राष्ट्रीय महासचिव राशिद उमर मदनी मुख्य अतथि ने अपने संबोधन में कहा कि आगामी होने वाले ज़िला पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव में पीस पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ेगी।

पीस पार्टी के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को आह्वान किया की वोह घर-घर जाकर पीस पार्टी का पैगाम देने का काम करें। तन मन धन से पार्टी का सहयोग करें। इस मौके पर तस्लीम मंसूरी डॉ रईस साहब युवा जिला अध्यक्ष साहिर मलिक साहब जमीर अहमद रईस कुरैशी राशिद अंसारी आदि ने विचार व्यक्त किये।

डीजल व पेट्रोल भरा टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलटा

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

नजीबाबाद से डीजल व पेट्रोल भरकर ऊमरी चौहारा जा रहा टैंकर नहटौर

कोतवाली रोड पर महमूदपुर भिक्का के सामने अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया।

सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुचे ओर टैंकर को सीधा कर रोड चालू किया।

बिजनौर थाना क्षेत्र के गांव मंगोलपुरा निवासी चालक पुष्पेंद्र पुत्र क्षेत्रपाल गांव फीना निवासी अमित राणा पुत्र शिवाजी राणा का टैंकर चलाता है। शुक्रवार शाम वह टैंकर में पेट्रोल व डीजल भरकर नजीबाबाद डीपो से अमरोहा के ऊमरी चौराहा स्थित किसी पट्रोल पंप पर जा रहा था।

नहटौर कोतवाली रोड पर गांव महमूदपुर भिक्का स्थित पेट्रोल पंप के सामने किसी वाहन को बचाने के प्रयास में टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे तेल रिसने लगा।

तेल भरने के लिए लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को वहां से हटाया तथा सूचना फायर बिग्रेड, पुलिस टीम व टैंकर का मालिक मौके पर पहुचे, पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से दोनों और वाहनों को रुकवा दिया। काफी मशक्कत के बाद टैंकर को सीधा कर वहां से हटाया गया। इसके बाद पुलिस ने यातायात को सामान्य रूप से जारी किया।

डीएम ने आंगनबाड़ी केंद्र संचालन में उत्कृष्ट कार्य प्रणाली को लेकर मंजू रानी को किया सम्मानित

✷एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

किरतपुर विकासखंड क्षेत्र के ग्राम शाह अलीपुर अब्दुल सत्तार उर्फ मदनपुर निवासी मंजू रानी पत्नी अरविंद कुमार आंगनबाड़ी को जनपद की लोकप्रिय जिला अधिकारी जसजीत कौर ने केंद्र सरकार द्वारा प्राथमिक बच्चों की देखभाल एवं बेहतरीन शिक्षण कार्य के लिए उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

मालूम हो कि 4 जनवरी 2010 को बाल विकास परियोजना किरतपुर के ग्राम रामपुर मुरार में बेहद सुशिक्षित एवं व्यवहार कुशल आंगनबाड़ी कार्यकत्री मंजू रानी की नियुक्ति हुई थी ।बताते चलें कि नियुक्ति के बाद से मंजू रानी ने आंगनबाड़ी केंद्र संचालन का कार्य शासन की मंशा के अनुरूप करना प्रारंभ कर दिया। तब से लेकर आज तक शासन द्वारा संचालित प्रत्येक अभियान में आंगनबाड़ी मंजू रानी ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

इतना ही नहीं प्रशासनिक श्तर पर अपनी शिक्षा एवं व्यावहारिकता के बूते आंगनबाड़ी केंद्र को बेहद शालीन तरीके से संचालित कर जहां देश के मासूम बच्चों को उनका वाश्तविक हक दिलाया ।वहीं वरिष्ठ अधिकारियों की नजरों में भी मंजू रानी अपनी अलग ही पहचान बनाए हुए हैं।

अब तक कई जिला अधिकारियों तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मंजू रानी को समय-समय पर प्रमाण पत्र देकर उनकी कार्यप्रणाली को सराहा जाता रहा है। बताते चलें कि हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्राथमिक बच्चों की देखभाल और शिक्षक के साथ, पोषण भी -पढ़ाई भी -कार्यक्रम में बेहद शानदार सेवा प्रदान करने के लिए मंजू रानी आंगनबाड़ी कार्यकत्रि को जनपद की लोकप्रिय जिला अधिकारी जसजीत कौर ने अपने कार्यालय में प्रशश्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

जबकि स्वच्छ भारत मिशन अभियान में उत्कृष्ट कार्य के लिए वर्ष 2016 में तत्कालीन जिलाधिकारी बी, चंद्रकला ने भी मंजू रानी को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया था। वही ओडीएफ कार्यक्रम के अंतर्गत तत्कालीन मुख्य विकास अधिकारी डाक्टर इंद्रमणि त्रिपाठी के हाथों भी मंजू रानी प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुकी हैं। मिशन शक्ति बेटी बचाओ -बेटी पढ़ाओ अभियान को अपने आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से एक मिसाल बनने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्री मंजू रानी को तत्कालीन जिला अधिकारी रमाकांत पांडे ने सम्मान पत्र देकर उनके कार्य के प्रशंसा की थी।

वर्ष 2021 में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एसडीएम नजीबाबाद बृजेश कुमार भी रामपुर मुरार की आंगनवाड़ी मंजू रानी को प्रशश्ति पत्र देकर उनके कार्य की प्रशंसा कर चुके हैं ।इतना ही नहीं तत्कालीन जिलाधिकारी अटल कुमार राय द्वारा भी स्वच्छता गारंटी प्रशश्ति पत्र भी मंजू रानी को दिया गया था। अति कुपोषित बच्चों को एनआरसी बिजनौर में भर्ती करने पर विभाग की मुखिया दीपती भार्गव ने भी आंगनबाड़ी कार्यकत्री मंजू रानी के कार्य से खुश होकर उन्हें प्रमाण पत्र दिया था ।बताते चलने कि अब तक अपने 15 वर्ष की आंगनवाड़ी सेवा के दौरान आधा दर्जन से अधिक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मंजू रानी को समय-समय पर सम्मानित किया जाता रहा है।

यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि किरतपुर विकासखंड क्षेत्र परियोजना ही नहीं बल्कि जनपद में संचालित तमाम परियोजनाओं में आंगनबाड़ी मंजू रानी का कार्य अपने आप में अलग ही पहचान बनाए हुए हैं।

यही कारण है कि जनपद के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी समय-समय पर मंजू रानी को उनकी योग्यता का इनाम देते रहे है। बताते चलने कि समाजशास्त्र से एम. ए. पास मंजू रानी आंगनबाड़ी कार्यकत्री अपना केंद्र संचालक शासन की मंशा के अनुरूप करने के लिए जानी जाती हैं।

यही कारण है कि कठिन से कठिन कार्य भी प्रशासनिक व विभागीय अधिकारी मंजू रानी को सौंपते हैं। जिसे वह सफलतापूर्वक कर अपनी कार्यप्रणाली का प्रदर्शन करने में कभी पीछे नहीं रहती।

आज़ाद समाज पार्टी का कार्यालय खुला

✷ एनसीआर टुडे. किरतपुर ✷

नगर में बिजनौर रोड पर इतवार बाजार के पास भीम आर्मी व आज़ाद समाज पार्टी के कार्यालय का उद्घाटन आसपा प्रदेश सचिव आरिफ मलिक व अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी का मकसद है कि हर कस्बे गांव में पार्टी का दफ्तर खोला जाए। जिसमे पदाधिकारियों द्वारा समस्याओ का समाधान किया जाए ।सांसद चन्द्रशेखर आज़ाद भी इन कार्यालयों में बैठकर पीड़ित लोगों को न्याय दिलाने का काम करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि आज़ाद समाज पार्टी एक ऐसी पार्टी है जिसमे सभी वर्गों का हित सुरक्षित है।

आसपा के युवा नेता अशरफ जमील एडवोकेट ने कहा कि यह कार्यालय खुलने से जनता की समस्याओं का समाधान आसान हो जाएगा। कार्यालय में हर पार्टी कार्यकर्ता उपलब्ध रहेंगे हमारी पार्टी में कथनी और करनी में फर्क नही है।

सांसद चन्द्रशेखर आज़ाद के नेतृत्व में पार्टी का जनाधार लगातार बढ़ रहा है। नगीना विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष सरफ़राज़ मलिक ने कहा कि हमारे पार्टी कार्यकर्ता गांव गांव जाकर केम्प लगा रहे है।

जिसमे पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाया जा रहा है। नगर अध्यक्ष फैलसुफ़ जमा ने कहा कि सांसद चन्द्रशेखर आज़ाद लोकप्रिय नेता है। उनकी लोकप्रियता दिनबदिन बढ़ती जा रही है। आने वाले विधानसभा चुनाव में आसपा एक बड़ी पार्टी के रूप में उभरेगी। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सतेंद्र कुमार,सांसद प्रतिनिधि रोहित कुमार,पिंटू कुमार,ललित कुमार,जावेद मलिक, मनीष कुमार, शादाब कुरेशी दानिश कुरैशी, बंटी कुमार, दीपक कुमार आदि ने भी अपने अपने विचार प्रकट किए कार्यकम में आसपा कार्यकर्ताओ की भीड़ मौजूद रही।

किसानों के लिए सर दर्द बने जंगली हाथी, फसल हुई बर्बाद

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷

थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव में जंगली हाथी के आतंक ने किसानों का जीना मुहाल कर दिया है। किसान लगातार वन विभाग से शिकायत कर रहें हैं। परन्तु कोई भी अधिकारी सुनवाई को तैयार नही है।

थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव मुकंदपुर राजमल का इलाका आरक्षित वन क्षेत्र की सीमा से सटा हुआ है। जिस कारण जंगली हाथी ने किसानों का जीना मुहाल कर दिया है।

गुरुवार की रात्री एक जंगली हाथी ने मौजा मुकंदपुर राजमल के अंतर्गत खेती करने वाले किसान शाहिद रजा खां, पाले सिंह, इंद्र सिंह, साजिद, राजिद, आसिफ खान आदि किसानों की फसलों में घुसकर जमकर उत्पात मचाया है। किसानों के खेतों में खड़े बोरिंग को भी जंगली हाथी ने तोड़ दिया जिस कारण प्रत्येक किसानों को बोरिंग के नाम पर ही लाखो रुपये का नुकसान हुआ इसके अतिरिक्त किसानों की फसलों को नष्ट किये जाने के कारण खासा नुकसान हुआ है। किसानो ने कहा कि जब भी वह अपनी फसलों को बचाने के लिये जंगली जानवरो को रोकने के लिये कोई इंतजाम करते है तो वन विभाग की तरफ से उन्हें तमाम तरह की चेतावनी देते हैं जिस कारण वह अपनी फसल को बचाने के लिये कोई ठोस कदम भी नही उठा पा रहे है।

समाज के उत्थान के लिए हर कदम पर साथ खड़ा रहूँगा: धर्मवीर

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

चांदपुर की धरती पर जुटा यह ऐतिहासिक जनसैलाब इस बात का प्रतीक है कि प्रजापति समाज एकजुट है और अपनी नई पहचान गढ़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

शिक्षा, रोजगार और राजनीति के क्षेत्र में हमें अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी। मैं स्वयं समाज का बेटा हूँ और समाज के उत्थान के लिए हर कदम पर साथ खड़ा रहूँगा।"

उन्होंने आगे कहा कि महाराजा दक्ष प्रजापति का जीवन त्याग, परिश्रम और संस्कृति की पहचान है। समाज को उनके आदर्शों पर चलकर नई पीढ़ी को मजबूत बनाना होगा।

उन्होंने प्रजापति समाज के युवाओं में जोश भरने का भी काम किया। उन्होंने कहा हर युवक के साथ में 24 घंटे खड़ा हूं प्रजापति समाज के युवा आगे बढ़ने का काम करें राजनीतिक व सामाजिक दोनों कार्यक्रमों में बढ चढकर हिस्सा ले।

इस अवसर पर पूर्व परिवहन मंत्री एमएलसी अशोक कटारिया ने कहा कि समाज का यह जागरण केवल बिजनौर ही नहीं बल्कि पूरे देश में प्रजापति समाज की शक्ति का संदेश देगा।

कार्यक्रम में धर्मेंद्र सिंह प्रजापति, पूर्व विधायक कमलेश सैनी, रिशिपाल प्रजापति, मास्टर जल सिंह प्रजापति, डॉक्टर सुशील प्रजापति, धीरज सिंह प्रजापति, नंदकिशोर प्रजापति, देशराज प्रजापति, जगराम प्रजापति, शंकर प्रजापति, सुनील प्रजापति, जगदीश प्रजापति, रोहतास प्रजापति, पवन प्रजापति, राम अवतार प्रजापति, अजय प्रजापति, दिनेश कुमार प्रजापति, लक्ष्मण सिंह एडवोकेट, सतपाल सिंह प्रजापति, रमेश प्रधान, राजपाल सिंह प्रजापति, डॉक्टर आसाराम प्रजापति जिला पंचायत सदस्य, डॉक्टर जगबीर सिंह प्रजापति जिला पंचायत सदस्य, संजीव कुमार प्रजापति (धनोरा), सहित हजारों गणमान्य लोग मंच पर मौजूद रहे।

ग्राम हरौली प्रजापति समाज, अलीपुरा जट प्रजापति समाज, कमालपुर निवासी प्रजापति समाज सहित सैकड़ों गांवों से समाज के बंधुओं ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई। महिलाओं और युवाओं की बड़ी संख्या में मौजूदगी ने इस जनसभा को और भी खास बना दिया।

पूरे क्षेत्र में इस रैली और जनसभा की गूंज रही। कार्यक्रम को समाज के इतिहास का अब तक का सबसे भव्य आयोजन बताया जा रहा है।

लोगों का कहना था कि इस तरह का जनसैलाब पहले कभी नहीं देखा गया। समाज की एकता ही प्रजापति समाज की सबसे बड़ी ताकत है।

प्रेमिका के जुल्मों से तंग युवक ने की आत्महत्या, परिवार में मचा कोहराम

एनसीआर टुडे. नजीबाबाद। नगर मे एक युवक के अपनी जीवन लीला समाप्त करने से परिवार में कोहराम मच गया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के भेज कर क़ानूनी कार्यवाही शुरू कर दी हैं।

पूरा मामला नगर के मौहल्ला पठानपुरा का हैं। जहाँ नवेद का 23 वर्षीय पुत्र जावेद ने देर रात्रि अपने घर की छत पर जाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

युवक ने छत पर जाकर पानी की टंकी में लगे लोहे के पाइप से बिजली का केबल गले में बांधा और ऊपर से कूद कर अपनी जान दे दी।, मरने से पहले युवक ने अपने फोन में एक वीडियो रिकॉर्ड किया।, जिसमें युवक ने किरतपुर निवासी अपनी प्रेमिका व उसकी माता पर उससे रुपए ऐंठने, गन प्वाइंट पर निकाह कराने, उसकी बेइज्जती करने, उसका कई वर्षों से उत्पीड़न करने और लाखों की मांग करने का आरोप लगाया हैं। मौहल्ले वासियों ने बताया कि दो वर्ष पूर्व नवेद के वालिद जावेद का इंतेकाल हुआ था।, जिसके बाद परिवार की जिम्मेवारी युवक नवेद के कंधों पर आई थी,। उसने अपने पिता की सिलाई मशीन सही करने की दुकान संभाल ली थी।, जिसमें युवक सिलाई मशीन सही करने का काम करता था।

संपादकीय

बाढ़ : प्राकृतिक आपदा या 'डीप स्टेट' का वेदर वार

विभिन्न स्थानों पर बाढ़ का प्रकोप चरमसीमा पर है। अनेक स्थानों पर जलप्रलय जैसी स्थितियां निर्मित हो रही हैं। एक ही क्षेत्र में कई बार बादल फटने जैसी घटनाएं सामने आ रहीं हैं। मौसम वैज्ञानिक भी अचानक होने वाले इन वायुमण्डलीय परिवर्तनों पर आश्चर्यचकित हैं। आम आवाम इसे प्रकृति विरुद्ध किये जाने वाले मानवीय कृत्यों की परिणति के रूप में देख रहा है। उसका मानना है कि पर्यावरणीय संतुलन की अनदेखी करते हुए स्वार्थ पूर्ति हेतु चन्द लोगों ने मनमाने तरीके संगठित रूप से अपनाये, प्राकृतिक संपदा का खतरनाक दोहन किया और संजोया वर्चस्व की जंग में जीत का सपना। परमाणु विस्फोट, जंगीय घटनायें और उपग्रहों जैसे कारक इस सबके लिए उत्तरदायी माने जा रहे हैं।

इस आमराय के अलावा 'डीप स्टेट' के षडयंत्रकारी वेदर वार की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता। विगत कुछ दिनों में विश्व के अनेक हिस्सों में भीषण बाढ़ की स्थितियां सामने आई है जिनमें भारी तबाही हुई है। अतीत के पन्ने पलटें तो स्थिति भयावह दिखाई पडती है। उदाहरण के लिए केवल अमेरिका के टेक्सास राज्य में गत माह आई भीषण बाढ़ को ही ले लें तो वहां की तबाही, आरोपों-प्रत्यारोपों का गर्म होता बाजार और 'डीप स्टेट' का ज्वलंत होता मुद्दा आज विश्वव्यापी हो गया है।

ग्वाडालूप नदी में अचानक पानी बढ़ने से केर काउंटी समेत कई इलाकों में जलप्रलय जैसे हालात बन गए थे। केर काउंटी में रिकॉर्ड 11 इंच बारिश से अचानक बाढ़ आ गई और मात्र 45 मिनट में ही पूरा शहर पानी में डूब गया था। इस मूसलाधार बारिश के कारण प्रति घंटे 2-3 इंच तक बारिश दर्ज हुई जिससे टेक्सास हिल कंट्री और ग्वाडालूप नदी के किनारों को सीधा प्रभावित किया।

ग्वाडालूप नदी का जलस्तर 45 मिनट में 26 फीट से ज्यादा और सुबह तक 37.52 फीट की ऊंचाई को छूने लगा, जो एक कीर्तिमान है। इस संबंध में प्राकृतिक आपदा के सामान्य सिद्धान्त के अलावा एक 'कंस्पिरेसी थ्योरी' भी सामने आई है जिसमें दावा किया जा रहा है कि यह प्राकृतिक आपदा नहीं बल्कि 'वेदर वार' था, जो पूरी तरह से मानव निर्मित था अर्थात 'वेदर' को 'वेपन' बनाकर प्रहार किया गया था। इस कारक को अनेक अमेरिकी अधिकारी भी समर्थन दे हैं।

क्यू-एनोन समुदाय के सदस्यों के अनुसार यह 'क्लाउड सीडिंग' है जिसके तहत सिल्वर आयोडाइड, ड्राई आइस जैसे तत्वों की सहायता से इस तरह की स्थितियां निर्मित की जाती है। 'वेदरर्स आन पेट्रोल' नामक संस्था के संस्थापक माइकल मेयर ने कहा कि टेक्सास पर वेदर वेपन से हमला हुआ है, जिसमें बच्चों की मौतें हुई हैं, ये देशद्रोह है। महिला संगठन 'वोमेल फार अमेरिका फर्स्ट' की डायरेक्टर कैंडिस टेलर ने कहा कि फेक बाढ़, फेक तूफान, सब नकली है। पूर्व स्पेशल फोर्स के कमांडर पीट चेम्बर्स ने सवाल उठाते हुए इसी तरह के विचार व्यक्त किये है।

एनएसए अधिकारी माइकल फ्लिन ने कहा कि क्या कोई बता सकता है, ये किसने किया? रिपब्लिकन सांसद मार्जरी टेलर ग्रीन ने तो संसद में एक बिल लाने की घोषणा तक कर दी जिसमें किसी भी तरह के रसायनों को वायुमंडल में छोड़कर मौसम बदलने की कोशिश को अपराध माना जाएगा। टास्क फोर्स ने तो बिलगेट्स, पीटर थिल तथा क्लिंटन फाउंडेशन तक पर वेदर वार करने के आरोप लगाये है।

उल्लेखनीय है कि बिलगेट्स ने अपने बचपन के दोस्त पॉल एलन के साथ मिलकर 'माइक्रोसॉफ्ट' की स्थापना की थी जबकि पीटर थिल को 'पे पाल' के सह-संस्थापकों के रूप में जाना जाता है। 'बिल क्लिंटन फाउंडेशन' तो पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन द्वारा स्थापित की गई थी। दूसरी ओर 'डीप स्टेट' पर लगाये जा रहे आरोपों का खण्डन करते हुए ह्यूस्टन के मौसम वैज्ञानिक मैट लांजा ने कहा कि 'क्लाउड सीडिंग' से इतनी बड़ी बाढ़ संभव नहीं। पहले से मौजूद मौसमी परिस्थितियां ही इस तबाही के लिए जिम्मेदार थीं। 'रेनमेकर' नामक 'क्लाउड सीडिंग' कंपनी के संस्थापक अगस्टस डोरिको ने कहा कि हम कोई 'डीप स्टेट' प्लांट नहीं हैं और न ही बिल गेट्स या सीआईए से जुड़े हैं, हम पारदर्शिता के पक्षधर हैं।

रिपब्लिकन सीनेटर टेड क्रूज ने कहा कि ऐसी बातों का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। डीप स्टेट से जुडे लोग इस बात को प्रचारित करने में जुटे है कि इस बारिश का कारण उष्णकटिबंधीय तूफान बैरी के अवशेषों और मेसोस्केल कन्वेक्टिव वोर्टेक्स यानी एमसीवी के मिलना है।

अमेरिका के इस उदाहरण के आधार पर भारत सहित अन्य देशों में आकार ले रहे वर्षों के दावानल को वैज्ञानिक नजरिये, पर्दे के पीछे से चल रहे षडयंत्रकारी प्रयोगों और अत्याधुनिक तकनीक के आधार पर समझना बेहद आवश्यक है। 'डीप स्टेट' की कारगुजारियों को जहां टास्क फोर्स सहित अनेक संगठन और वैज्ञानिक रेखांकित कर रहे हैं वहीं 'रेनमेकर' नामक 'क्लाउड सीडिंग' कंपनी के संस्थापक अगस्टस डोरिको का यह कहना कि हम कोई 'डीप स्टेट' प्लांट नहीं हैं और न ही बिल गेट्स या सीआईए से जुडे हैं, अपने आप में अनेक प्रश्नों के उत्तर प्रदान कर देता है।

इस संबंध में वैदिक ग्रन्थ भी प्रमाण के रूप में उपलब्ध हैं जिनमें सतयुगकालीन देव-दैत्य युद्ध, त्रेताकालीन राम-रावण युद्ध तथा द्वापरकालीन महाभारत को रेखांकित किया गया है। इन युद्धों में अग्निबाणों को समाप्त करने हेतु जलबाण चलाये गये थे यानी वर्षा करने वाले शस्त्र उस समय के परा विज्ञान के दिग्गजों के पास उपलब्ध थे।

उस समय विमान, अमोघ शस्त्र, कवच आदि होने की बात कही गई है जो वर्तमान में वायुयान, मिसाइल, डिफेंस सिस्टम के रूप में निरंतर विकसित हो रहे हैं। ऐसे में एक ही स्थान पर बार-बार बादल फटने, निरंतर बारिश होने, सूखे स्थानों पर बाढ आने जैसी स्थितियां 'डीप स्टेट' के षडयंत्रकारी प्रहार की संभावना को बल प्रदान करतीं है। इस हेतु देश को व्यापक तैयारी करने की आवश्यकता है तभी प्राकृतिक प्रकोप की आड में प्रहार करने वालों से निपटा जा सकेगा। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

भागवत की मंशा पर शक क्यूं?

मुस्ताअली बोहरा

ज्यादा दिन पुरानी बात नहीं जब अखिल भारतीय इमाम संगठन के तत्कालीन प्रमुख इमाम उमर अहमद इलियासी ने मीडिया से बात करते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत का राष्ट्रऋषि बता दिया था। पिछले काफी वक्त से भागवत हिन्दू-मुसलमान एकता को लेकर प्रयासरत हैं।

हाल ही में उन्होंने कहा कि जब से इस्लाम भारत में आया है तब से यहीं है और यहीं रहेगा। बात बिल्कुल सही है, इस्लाम भी यहीं रहेगा और मुसलमान भी। भारत के मुसलमान वो हैं जिनका एतबार लोकतांत्रिक व्यवस्था और सामाजिक सद्भाव में था। जिन को इस्लामिक वतन चाहिए था वो बटवारे के वक्त पाकिस्तान चले गए थे। कुल मिलाकर, भागवत के बयानों की और भी सियासी वजह हो सकती है लेकिन भागवत के इन प्रयासों की सराहना तो की ही जानी चाहिए।

एक वक्त था जब पॉपुलर फ्रंट आफ इंडिया यानि पीएफआई के तकरीबन सैकड़ा भर ठिकानों पर छापे, हिजाब विवाद, भाजपा प्रवक्ता नुपुर शर्मा के पैगंबर मोहम्मद साहब पर की गई टिप्पणी, ज्ञानवापी मस्जिद मसले, गौ हत्या और मॉब लिचिंग, लव जिहाद, धर्मान्तरण, उत्तरप्रदेश में मदरसो के सर्वे, अन्य कुछेक मस्जिदों और एतिहासिक इमारतों की खुदाई की मांग आदि मसलों के बीच आरएसएस चीफ मोहन भागवत की अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख इमाम उमर अहमद इलियासी से मुलाकात की थी।

चूंकि, अखिल भारतीय इमाम संगठन का कार्यालय मस्जिद परिसर में है लिहाजा दिल्ली की मस्जिद में आएसएस प्रमुख का पहुंचना अपने आप में ही बड़ी बात रही। इमाम उमर इलियासी के पिता जमील इलियासी की मजार पर भी संघ प्रमुख पहुंचे, साथ ही इमाम के परिजनों से भी मुलाकात की। इसके बाद दिल्ली के ही आजाद मार्केट के एक मदरसे का दौरा किया और यहां बच्चों से मुलाकात की। इसके बाद उमर अहमद इलियासी ने मीडिया से बात करते हुए मोहन भागवत को राष्ट्रपिता और राष्ट्रऋषि बता दिया।

भागवत के मस्जिद और मदरसे पहुंचने से लेकर हालिया बयान तक के पीछे जितने मुंह उतनी बातें वाली बात चरितार्थ हो रही है। कुछेक का तर्क है कि आरएसएस यूनिफॉर्म सिविल कोड और जनसंख्या नियंत्रण कानून के लिए माहौल तैयार कर रहा है। कुछ का कहना है कि अगले लोकसभा चुनाव के पहले संघ, मुसलमानों की नाराजगी को कम करने की कोशिश कर रहा है। भागवत से पहले संघ के पाँचवें सरसंघचालक कुप्पाहाली सीतारमय्या सुदर्शन भी इलियासी के परिजनों से मिलते रहे हैं लेकिन तब इतनी चर्चा नहीं हुई।

भागवत के मस्जिद-मदरसों पर पहुंचने को लेकर बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई थी। मायावती ने कहा कि मस्जिद और मदरसे जाकर उलेमाओं से मिलने, फिर खुद को राष्ट्रपिता और राष्ट्रऋषि कहलवाने के बाद क्या भाजपा मस्जिद और मदरसों के प्रति अपने नकारात्मक रूख में बदलाव लाएगी। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने निशाना साधते हुए कहा कि मोहन भागवत जी अब आप अखलाक और बिलकिस बानो के परिवार से भी मिलें। बिलकिस बानो को न्याय दिलाएं। बलात्कारियों का सम्मान करने वालों के खिलाफ बयान दें जहां जहां निर्दोष मुसलमानों को आपके कार्यकर्ताओं ने सताया है उनसे माफी मांगे अन्यथा आपका मस्जिद-मदरसा जाना केवल दिखावा होगा।

संघ की स्थापना के 100 साल पूरे होने पर देश की राजधानी दिल्ली में 26 से 28 अगश्त तक तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के आखिरी दिन मोहन भागवत ने कई मसलों पर अपनी राय रखी। इस्लाम पर अपने विचार रखते हुए उन्होंने कहा कि इस्लाम जब पहले दिन भारत में आया, तभी से यह यहां है और आगे भी रहेगा। इस्लाम नहीं रहेगा ये सोचने वाला हिंदू सोच का नहीं है। हिंदू सोच ऐसी नहीं होती। इस्लाम पुरातन काल से भारत में रहा है और आज तक कायम है और भविष्य में भी रहेगा। उन्होंने ये भी कहा कि सड़कों और जगहों का नाम एपीजे अब्दुल कलाम, अब्दुल हमीद के नाम होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अपने देश में भी मुसलमान नागरिक हैं उन्हें भी रोजगार की जरूरत है। मुसलमान को रोजगार देना है तो उन्हें दीजिए, जो बाहर से आया है उन्हें क्यों दे रहे हो? उनके देश की व्यवस्था उन्हें करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हिन्दु-मुसलमान एक ही हैं उनकी पूजा पद्धति अलग है इसलिए उनके बीच एकता को लेकर कोई सवाल नहीं उठाना चाहिए। संघ प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात के बाद उमर अहमद इलियासी ने भी यही कहा कि वो पहली दफा किसी मस्जिद में आए हैं।

धर्म अलग हो सकते हैं, पूजा के तरीके और परम्पराए अलग हो सकती है लेकिन सबसे बड़ा धर्म इंसानियत का है। हम सब भारतीय है और सभी मिलकर भारत को मजबूत करें।

इधर, भागवत के बयानों पर सियासी पारा लाजमी था और ऐसा हुआ भी। मोहन भागवत के भारत को हिंदू राष्ट्र बताने वाले बयान पर ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन ने आपत्ति जताई। एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद राशिदी ने को कहा कि भारत संविधान और कानून से चलेगा, गीता या कुरान से नहीं। राशिदी ने कहा कि बार-बार हिंदू राष्ट्र का जिक्र करना बाकी धर्मों का अपमान है।

मौलाना रशीदी ने भागवत के उस बयान पर भी सवाल उठाया जिसमें उन्होंने कहा था कि सड़कों के नाम आक्रांताओं पर नहीं होने चाहिए। उन्होंने कहा, आप किसी को आक्रांता मानते क्यों हैं ? जो मुसलमान यहां आया, उसने हिंदुश्तान को आगे बढ़ाया। यहां से कुछ लूट कर नहीं ले गया यहीं रहा, बादशाहत की और यहीं दफन हुआ लेकिन अंग्रेज जिन्होंने सच में देश को लूटा और सब कुछ अपने साथ ले गए उनके खिलाफ आपकी जबान क्यों नहीं खुलती? दूसरी तरफ, आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने भागवत के बयान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि भागवत ने सरकार को नसीहतें और हिदायतें दीं हैं। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी भागवत के बयानों पर तंज कसा। ओवैसी का कहना है कि मुस्लिम समाज का बड़ा तबका अपने हक के लिए लड़ता है तो वह बुरा हो जाता है, उस पर शक किया जाता है। ओवैसी ने तीन बच्चों वाले बयान पर कहा कि ये निजी जिंदगी में हश्तक्षेप और महिलाओं पर बोझ डालने वाला बताया। इसी तरह कांग्रेस नेताओं के बयान सामने आए।

भागवत के इन बयानों से ये सवाल जहन में कौंधना जायज है कि क्या संघ का नजरिया मुसलमानों के प्रति बदल गया है। संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने संघ शिक्षा वर्ग के तृतीय वर्ष के समापन समारोह में कहा था कि हर मस्जिद में शिवलिंग नहीं देखना चाहिए।

उन्होंने राम मंदिर आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा था कि उस तरह का आंदोलन अब नहीं करना है लेकिन मन में कई सवाल तो उठते हैं जिन्हें आपस में मिल बैठकर सर्वसम्मति से हल निकालना है। यदि सम्मति से हल नहीं निकलता तो संविधान सम्मत न्याय व्यवस्था को मानना चाहिए। दिल्ली में भी साफ तौर कहा कि काशी-मथुरा आंदोलनों में संघ शामिल नहीं होगा। भागवत भारत को विश्वगुरु बनाने की बात कहते है तो ये भी कहते हैं कि हम सब के पूर्वज एक ही है।

मुसलमान खुद को भारतीय मानते हैं इसमें दोराय नहीं होनी चाहिए। लेकिन, जब वे किसी मुद्दे पर अपना रोष जाहिर करते हैं तो या अपना हक मांगते हैं तो उन्हें देशद्रोही कह दिया जाता है। कभी हिजाब के नाम पर तो कभी लव जिहाद तो कभी गौ हत्या के नाम पर लिंचिंग होती रही। कई मामले तो ऐसे भी सामने आए हैं जिसमें आरोप तो किसी मुस्लिम पर लगे लेकिन जांच के बाद असली आरोपी गैर मुस्लिम निकल आया। मुस्लिम विचारकों का ये भी कहना है कि यदि कोई समाज विरोधी या देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त है तो उसे सजा मिलनी ही चाहिए लेकिन इसके लिए पूरे समाज को दोष देना या सभी को शक की निगाह से देखना कहां तक जायज है।

बहरहाल भागवत ने जो कहा वो कोई नई बात नहीं है, बल्कि सवाल ये है कि पिछले कुछ सालों में देश की फिजा में जो जहर घुला उसके पीछे जिम्मेदार कौन है। जब तक राजनीति और धर्म अलग-अलग थे तब तक सब कुछ ठीक-ठाक था लेकिन जब से राजनीति और धर्म के बीच घालमेल हुआ तब से चीजों को देखने का नजरिया बदल गया है।

भागवत की मंशा जो भी हो लेकिन इसे एक अच्छी पहल तो कहा ही जा सकता है। भाजपा-संघ और मुसलमान दोनों को अपना नजरिया बदलना होगा, इसके बाद नजारा तो अपने आप ही बदल जाएगा और फिर सामने आएगा खुशहाल, समृद्ध, मजबूत और एकजुट वो भारत जिसे हम सब विश्वगुरू के रूप में देखना चाहते हैं।

(अधिवक्ता एवं लेखक भोपाल, मप्र)

जल प्रलय के सन्देश ?

तनवीर जाफ़री

भारत के पंजाब राज्य को सबसे उपजाऊ धरती के राज्यों में सर्वोपरि गिना जाता है। इसका मुख्य कारण यही है कि यह राज्य खेती के लिये सबसे ज़रूरी समझे जाने वाले कारक यानी पानी के लिये सबसे धनी राज्य है। सिंधु नदी की पांच सहायक नदियाँ सतलुज, ब्यास, रावी, चिनाब और झेलम इसी पंजाब राज्य से होकर बहती हैं। इन पांचों नदियों में केवल व्यास ही एक ऐसी नदी है जो केवल भारत में बहती है शेष सतलुज, रावी, चिनाब और झेलम नदियाँ भारत से होते हुये पाकिश्तान में भीप्रवाहित होती हैं। यही नदियां जो पंजाब को उपजाऊ भूमि बनाने और यहाँ की संस्कृति का आधार समझी जाती हैं इन दिनों यही नदियां भारत से लेकर पाकिश्तान तक जल प्रलय का कारण बनी हुई हैं। इन नदियों के उफान पर होने का कारण जम्मू कश्मीर व हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार होने वाली तेज़ बारिश यहाँ तक कि अनेक स्थानों पर बादल फटने जैसी घटनाओं को माना जा रहा है।

दरअसल पिछले कुछ दिनों हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पंजाब के जलागम क्षेत्रों में असामान्य रूप से भारी बारिश हुई। कई ज़िले तो ऐसे भी थे जहाँ केवल एक ही दिन में पूरे एक महीने की बारिश दर्ज की गई। जैसे केवल अमृतसर और गुरदासपुर में 150-200 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज हुई। इससे शहरी जलनिकासी प्रणाली पूरी तरह फ़ेल हो गयी। दुर्भाग्यवश हमारे देश के अधिकांश राज्यों में बरसाती जल निकासी प्रणाली प्रायः फ़ेल ही रहती है। भ्रष्टाचारयुक्त निर्माण से लेकर सरकारी अम्लों की अकर्मण्यता व ग़ैर ज़म्मिदार जनता द्वारा नाले नालियों में अवांछित वश्तुओं की डम्पिंग यहाँ तक कि मरे जानवर से लेकर रज़ाई गद्दे बोतलें प्लास्टक पॉलीथिन आदि सब कुछ नालों व नालियों में फ़ेंक देने जैसी ग़ैर ज़म्मिदाराना प्रवृति, जल निकासी प्रणाली के फ़ेल होने में सबसे अहम भूमिका निभाती है।

एक ओर तो भारी बारिश व जलभराव उसके बाद भारत के सबसे विशाल भाखड़ा नंगल डैम, पोंग डैम रणजीत सागर डैम व शाहपुर कंडी जैसे डैम्स से अतिरिक्त पानी का छोड़ा जाना भी पंजाब की बड़े हिस्से की तबाही का कारण बन गया।

इन डैम्स से पानी छोड़ना भी इसलिये ज़रूरी हो गया था क्योंकि इनमें इनकी क्षमता से अधिक जलभराव हो गया था। उदाहरण के तौर पर भाखड़ा डैम का जल श्तर 1,671 फीट तक पहुँच गया था तो पोंग डैम का जलश्तर भी अधिकतम से ऊपर चला गया था। इसी के परिणाम स्वरूप राज्य की सतलुज, ब्यास और रावी नदियाँ उफान पर आ गईं थीं। भारत से पानी छोड़ने के कारण ही पाकिश्तान के पंजाब प्रान्त में भी बाढ़ आई, जहाँ रावी, सतलुज और चेनाब नदियाँ प्रभावित हुईं। इस स्थिति के मद्देनज़र भारत ने पहले ही मानवीय आधार पर पाकिश्तान को तीन चेतावनियाँ जारी कर दी थीं। भारतीय पंजाब के जो ज़िले इस भीषण जल प्रलय में प्रभावित हुये उनमें गुरदासपुर, पठानकोट, होशियारपुर, कपूरथला, अमृतसर, तरन तारन, फिरोज़पुर व फ़ज़ल्का के नाम ख़ासतौर पर उल्लेखनीय हैं जबकि लुधियाना और जालंधर में भी बढ़ का प्रभाव देखने को मिला। दर्जनों पुल टूट गये,सैकड़ों पशु बह गये अनेक वाहन तेज़ बहाव में समा गये। लाखों एकड़ फ़सल तबाह हो गयी ,तमाम मकान बह गये या क्षतिग्रश्त हो गये।

दर्जनों जगह से हाईवे व मुख्य मार्ग बंद हो गये। और इस प्रलयकारी हालात से जूझने में कई जगह पंजाब का वह किसान स्वयं को असहाय महसूस करता दिखाई दिया जो हमेशा पूरी हिम्मत व हौसले के साथ दूसरों की सेवा सत्कार के लिये तत्पर दिखाई देता है। एक अनुमान के अनुसार राज्य के 500 से अधिक गांव डूबे गये इन गांवों में लगभग 6,600 से अधिक लोग फंसे थे। अमृतसर के रामदास क्षेत्र में रावी नदी का धुसी बांध टूट गया, जिससे 40 गांव डूब गए। इसी तरह गुरदासपुर में लगभग 150, कपूरथला में क़रीब 115, और अमृतसर में लगभग 100 गांव इस प्रलयकारी बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुये। गोया इस बार की बाढ़ ने कृषि-प्रधान पंजाब की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। इस बाढ़ के चलते सैकड़ों घर, 300 से अधिक स्कूल अनेक सड़कें, पुल और बिजली लाइनें आदि क्षतिग्रश्त हो गयीं। अमृतसर में गुरुद्वारा बाबा बुढ़ा साहिब डूब गया।

कई जगह रेल यातायात बाधित हुआ अनेक ट्रेन्स कैंसिल कर दी गयीं। हाईवे टूटने व क्षतिग्रश्त होने के चलते 1,000 से अधिक सड़कें बंद कर गयीं । अकेले वैष्णो देवी में बारिश के चलते हुये भूस्खलन से 30 से अधिक मौतें होने की ख़बर है। अभी तक जो अनुमान लगाया जा रहे उसके मुताबिक़ धान, गन्ना व मक्का की लगभग 1.5 लाख एकड़ फ़सल पूरी तरह डूब गई। पंजाब में लगभग 3 लाख एकड़ से अधिक भूमि जलमग्न हो गयी। इन बाढ़ग्रश्त क्षेत्रों के किसानों को सितंबर-अक्टूबर में होने वाली रबी की फ़सलों में भी नुकसान की आशंका बनी हुई है। पंजाब में आई बाढ़ से हुआ अरबों रुपये का यह नुक़सान खाद्य मुद्रास्फीति को भी प्रभावित करेगा।

बाढ़ और बारिश-संबंधी हादसों से भारत व पाकिश्तान में अनेक मौतें भी हुई हैं जबकि अनेक लोग लापता भी हो गए हैं। इसी तरह हज़ारों पशुओं के बह जाने, मरने,बीमार पड़ने के साथ साथ उनके चारों की भी भारी कमी दर्ज की जा रही है। इन्हीं हालात में बीमारियों का भी ख़तरा बढ़ गया है। इससे पर्यटन उद्योग भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है।आपदा के इस समय में सेना एनडीआरएफ़ व एसडीआरएफ़ द्वारा 5,000 से अधिक लोगों की जान बचाई गयी व उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया। इन ऑपरेशन्स में चिनूक हेलीकॉप्टर, चीता हेलीकॉप्टर, नावें और एम्फीबियन वाहन इश्तेमाल किये गये। पंजाब और ख़ासकर पहाड़ी क्षेत्रों में होने वाली असाधारण बारिश व बादल फटने जैसी अनेक घटनाओं ने मौसम वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों को हैरत में डाल दिया है।

इन हालात के लिये जहाँ दुर्लभ परिस्थितियों में पूर्वी, दक्षिणी और पश्चिमी मौसम प्रणालियों के एक साथ आने को ज़म्मिदार माना जा रहा है वहीं ग्लेशियर का लगातार पिघलते जाना भी बाढ़ को और अधिक भयावह बना रहा है। माना जा रहा है कि यह बाढ़ 1988 की उस भीषण बाढ़ से भी प्रलयकारी है जिसे हज़ार वर्षों में एक बार आने वाली बाढ़ की संज्ञा दी गयी थी। गोया हमें जल प्रलय के इस सन्देश को समझना होगा कि इन हालात के लिये ग्लोबल वार्मिंग के परिणामस्वरूप होने वाला जलवायु परिवर्तन ही सबसे अधिक ज़म्मिदार है। और निश्चित रूप से विकास और इसके नाम पर पैदा किये गये ग्लोबल वार्मिंग के यह हालात पूरी तरह मानवजनित हैं।

सहमति या असहमति, जीएसटी काउंसिल की अगली बैठक में क्या होगा?

विपक्ष शासित आठ राज्यों ने वश्तु एवं सेवा कर अर्थात जीएसटी की दो श्रेणियां तय किए जाने की घोषणा पर जिस तरह सहमति जताई और साथ ही कुछ शर्तें भी आगे रख दीं, उससे फिलहाल यह अनुमान लगाना कठिन है कि आगामी जीएसटी काउंसिल की बैठक में क्या होगा?

इन राज्यों की ओर से कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने जीएसटी की दो श्रेणियां करने पर कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों की ओर से अपनी तीन मांगें रखी हैं। अच्छा होता कि इस संदर्भ में संबंधित राज्य जीएसटी काउंसिल की बैठक में अपनी बात रखते। क्या जीएसटी के दो स्लैब को लेकर विपक्ष शासित राज्यों के राजनीतिक दल और विशेष रूप से कांग्रेस श्रेय लेने की राजनीति कर रही है अथवा यह दिखाना चाहती है कि वह हर मामले में विरोध जताना जारी रखेगी?

कहना कठिन है कि क्या पंजाब, केरल, पश्चिम बंगाल, झारखंड आदि राज्यों ने जीएसटी के मामले में कांग्रेस को अपना प्रतिनिधित्व सौंप दिया है? जो भी हो, इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कांग्रेस जीएसटी की दो श्रेणियों की पैरवी करती रही है। क्या तब उसे इसके परिणामों और खासकर राजस्व में फौरी कमी आने का भान नहीं था? जीएसटी को जब सभी दलों की ओर से संसद में सहमति मिली थी तो उसे आर्थिक सुधार के मामले में एक मील के पत्थर की तरह देखा गया था और पक्ष-विपक्ष के दलों के रवैये को सराहा गया था, लेकिन बाद में राहुल गांधी संकीर्ण राजनीतिक कारणों से जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स बताने लगे।

इससे इनकार नहीं कि जीएसटी में समय-समय पर अनेक बदलाव करने पड़े हैं और संभवतः उसकी दो श्रेणियां बनाए जाने के बाद भी यह सिलसिला कायम रहे, लेकिन आखिर ऐसा कौन सा कानून है, जिसमें समय के साथ कुछ फेरबदल करने की आवश्यकता नहीं होती? जीएसटी की दो ही श्रेणियां किया जाना समय की मांग है। बेहतर होता कि यह मांग और पहले पूरी हो जाती। अब तो इसमें बाधा नहीं खड़ी की जानी चाहिए। आर्थिक मामलों में दलगत राजनीतिक हितों से ऊपर उठने की आवश्यकता होती है।

इस आवश्यकता को क्षेत्रीय दलों को न सही, कम से कम कांग्रेस को तो समझना चाहिए और उसकी पूर्ति में सहायक भी बनना चाहिए। निश्चित रूप से सभी राज्यों को जीएसटी में सुधारों के मामले में अपने सुझाव देने और अपनी आशंका व्यक्त करने का अधिकार है, लेकिन इसके नाम पर अड़ंगा लगाने का काम नहीं किया जाना चाहिए। तब तो बिल्कुल भी नहीं किया जाना चाहिए, जब जीएसटी सुधारों से राष्ट्रीय हितों का संधान हो रहा हो और आम आदमी के साथ-साथ उद्योग जगत को भी लाभ मिलने की उम्मीद है।

हिंदुस्तानी गजल से मशहूर हुए दुष्यंत कुमार

अशोक मधुप

आज एक सिंतबर है प्रसिद्ध हिंदी गजलकार दुष्यंत कुमार की जन्मदिन है। बिजनौर के राजपुर नवादा गांव में एक सिंतबर 1933 में जन्मे दुष्यंत कुमार का मात्र 43 वर्ष की आयु में 30 दिसंबर 1975 को भोपाल में उनका निधन हुआ।

हिंदी साहित्यकार –गजलकार दुष्यंत कुमार हिंदी गजल के लिए जाने जाते हैं। वे हिंदी गजल के लिए विख्यात है किंतु उन्हें यह ख्याति हिंदी गजलों के लिए नहीं, हिंदुश्तानी गजलों के लिए मिली। संसद से सड़क तब मशहूर हुए उनके शेर हिंदुश्तानी हिंदी में हैं। हिंदुस्तानी हिंदी में उन्होंने सभी प्रचलित शब्दों को इश्तमाल किया। शब्दों को प्रचलित रूप में इश्तमाल किया।

वे अपनी पुश्तक साए में धूप की भूमिका में खुद कहते हैं " ग़ज़लों को भूमिका की ज़रूरत नहीं होनी चाहिए; लेकिन,एक कैफ़ियत इनकी भाषा के बारे में ज़रूरी है। कुछ उर्दू—दाँ दोश्तों ने कुछ उर्दू शब्दों के प्रयोग पर एतराज़ किया है।उनका कहना है कि शब्द 'शहर' नहीं 'शह्र' होता है, 'वज़न' नहीं 'वज़्न' होता है।

—कि मैं उर्दू नहीं जानता, लेकिन इन शब्दों का प्रयोग यहाँ अज्ञानतावश नहीं, जानबूझकर किया गया है। यह कोई मुश्किल काम नहीं था कि 'शहर' की जगह 'नगर' लिखकर इस दोष से मुक्ति पा लूँ,किंतु मैंने उर्दू शब्दों को उस रूप में इश्तेमाल किया है,जिस रूप में वे हिन्दी में घुल–मिल गये हैं। उर्दू का 'शह्र' हिन्दी में 'शहर' लिखा और बोला जाता है।

ठीक उसी तरह जैसे हिन्दी का 'ब्राह्मण' उर्दू में 'बिरहमन' हो गया है और 'ॠतु' 'रुत' हो गई है। उर्दू और हिन्दी अपने—अपने सिंहासन से उतरकर जब आम आदमी के बीच आती हैं तो उनमें फ़र्क़ कर पाना बड़ा मुश्किल होता है। मेरी नीयत और कोशिश यही रही है कि इन दोनों भाषाओं को ज़्यादा से ज़्यादा क़रीब ला सकूँ। इसलिए ये ग़ज़लें उस भाषा में लिखी गई हैं जिसे मैं बोलता हूँ।

—कि ग़ज़ल की विधा बहुत पुरानी,किंतु विधा है,जिसमें बड़े—बड़े उर्दू महारथियों ने काव्य—रचना की है। हिन्दी में भी महाकवि निराला से लेकर आज के गीतकारों और नये कवियों तक अनेक कवियों ने इस विधा को आज़माया है।"

ग़ज़ल पर्शियन और अरबी से उर्दू में आयी। ग़ज़ल का मतलब हैं औरतों से अथवा औरतों के बारे में बातचीत करना। यह भी कहा जा सकता हैं कि ग़ज़ल का सर्वसाधारण अर्थ हैं माशूक़ से बातचीत का माध्यम। उर्दू के साहित्यकार स्वर्गीय रघुपति सहाय 'फिराक' गोरखपुरी ने ग़ज़ल की भावपूर्ण परिभाषा लिखी हैं।

कहते हैं कि, 'जब कोई शिकारी जंगल में कुत्तों के साथ हिरन का पीछा करता हैं और हिरन भागते –भागते किसी ऐसी झाड़ी में फंस जाता हैं जहां से वह निकल नहीं सकता, उस समय उसके कंठ से एक दर्द भरी आवाज़ निकलती हैं। उसी करूण स्वर को ग़ज़ल कहते हैं। इसीलिये विवशता का दिव्यतम रूप में प्रगट होना, स्वर का करूणतम हो जाना ही ग़ज़ल का आदर्श हैं'।

दुष्यंत की गजलों की खूबी है साधारण बोलचाल के शब्दों का प्रयोग, हिंदी– उर्दू के घुले मिले शब्दों का प्रयोग । चुटीले व्यंग उनकी गजल की खूबी है।वे व्यवस्था और समाज पर चोट करते हैं। ये ही उन्हें सीधे आम आदमी के दिल तक ले जाती है। उनकी ये शैली उन्हें अन्य कवियों से अलग और लोकप्रिय करती है। आम आदमी और व्यवस्था पर चोट करने वाले दुष्यंत कुमार के शेर, व्यवस्था पर चोट करते उनके शेर सड़कों से संसद गूंजतें है। शायद दुष्यंत कुमार अकेले ऐसे साहित्यकार होंगे , जिसके शेर सबसे ज्यादा बार संसद में पढ़े गए हों। सभाओं में नेताओं ने उनके शेर सुनाकर व्यवस्था पर चोट की हो।सरकार को जगाने और जनचेतना का कार्य किया हो।उन्होंने हिंदी गजल भी लिखी, पर वह इतनी प्रसिद्धि नही पा सकी, जितनी हिंदुश्तानी हिंदी में लिखी गजल लोकप्रिस हुईं।

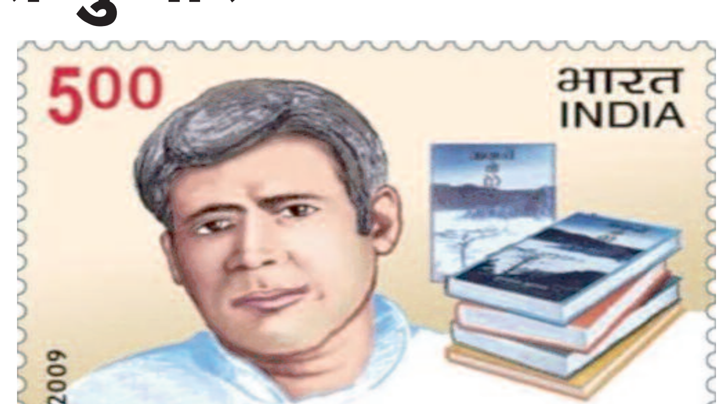

उनके गुनगुनाए जाने वाले उनके कुछ हिंदुस्तानी हिंदी के शेर हैं

वो आदमी नहीं है मुकम्मल बयान है,
माथे पे उस के चोट का गहरा निशान है।
रहनुमाओं की अदाओं पे फ़िदा है दुनिया,
इस बहकती हुई दुनिया को सँभालो यारों।
कैसे आकाश में सूराख़ नहीं हो सकता ,
एक पत्थर तो तबीअ'त से उछालो यारों।
यहां तो सिर्फ गूंगे और बहरे लोग बसतें है,
खुदा जाने यहां पर किस तरह जलसा हुआ होगा,
गूँगे निकल पड़े हैं ज़बाँ की तलाश में ,
सरकार के ख़िलाफ़ ये साज़िश तो देखिए।
पक गई हैं आदतें बातों से सर होंगी नहीं,
कोई हंगामा करो ऐसे गुज़र होगी नहीं ।
आज मेरा साथ दो वैसे मुझे मालूम है ,
पत्थरों में चीख़ हरगिज़ कारगर होगी नहीं।
इन ठिठुरती उँगलियों को इस लपट पर सेंक लो,
धूप अब घर की किसी दीवार पर होगी नहीं।
सिर से सीने में कभी पेट से पाँव में कभी ,
इक जगह हो तो कहें दर्द इधर होता है ।
मत कहो आकाश में कोहरा घना है,
ये किसी की व्यक्तगत आलोचना है।
ये जिस्म झुककर बोझ से दुहरा हुआ होगा,
मैं सज्दे में नही था, आपको धोखा हुआ होगा।
तुमने इस तालाब में रोहू पकड़ने के लिए,
छोटी—छोटी मछलियाँ चारा बनाकर फेंक दीं।
हम ही खा लेते सुबह को भूख लगती है बहुत
तुमने बासी रोटियाँ नाहक उठा कर फेंक दीं।
गजल
हो गई है पीर पर्वत सी पिंघलनी चाहिए,
अब हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए।
आज यह दीवार, परदों की तरह हिलने लगी,
शर्त थी लेकिन कि ये बुनियाद हिलनी चाहिए।
हर सड़क पर, हर गली में, हर नगर, हर गाँव में,हाथ लहराते हुए हर लाश चलनी चाहिए।
सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं,
मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।
मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में सही,
हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

कारोबारी के घर हुई लूट में दर्ज हुई एफआईआर, सीसीटीवी खंगाल रही है पुलिस

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना क्वार्सी क्षेत्र के महावीर पार्क इलाके में बुजुर्ग महिला को बंधक बनाकर हुई लूट के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। शनिवार को दो नकाबपोश बदमाश घर में घुसे थे और हथियार के दम पर बुजुर्ग महिला को बंधक बना लिया था। इसके बाद आरोपियों ने घर की अलमारी और लॉकर में रखे रुपए और गहने लूटकर फरार हो गए थे। घटना की जानकारी मिलने पर परिवार के लोग और पुलिस मौके पर पहुंची थी और मामले की जांच शुरू कर दी थी। रविवार को परिवार की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

महावीर पार्क निवासी कुलदीप वार्ष्णेय की तालानगरी में हार्डवेयर की फैक्ट्री है। वह शनिवार दोपहर अपनी फैक्ट्री में थे। परिवार के अन्य लोग भी किसी काम से बाहर गए हुए थे। उनकी बुजुर्ग मां घर पर अकेली थी, तभी आरोपी घर पर घुसे थे। ग्राउंड फ्लोर पर सो रही बुजुर्ग महिला को आरोपियों ने बंधक बना लिया था और लगभग आधे घंटे तक घर की एक-एक अलमारी खंगालते रहे थे। इसी बीच उनका किराएदार घर पर आया था, जिसके बाद आरोपी वहां से भाग निकले। किराएदार को जब घर पर हुई घटना की जानकारी हुई तो उसने कारोबारी को फोन करके जानकारी दी थी।

घटना के बाद जहां पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया, वहीं रविवार को फारेंसिक की टीम मौके पर पहुंची और घटना स्थल और आसपास की जगहों का निरीक्षण किया। टीम ने मौके से आरोपियों के फिंगर प्रिंट और अन्य डिजिटल साक्ष्य जुटाए हैं। जिससे आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद कोर्ट में मजबूत साक्ष्य पेश किए जा सके।

कारोबारी कुलदीप वार्ष्णेय ने बताया कि घर में 50 हजार रुपए कैश और 5 लाख रुपए के जेवर गायब हैं। वहीं कुछ अन्य कीमती चीजें भी गायब हैं, जिसकी जानकारी परिवार के लोग जुटा रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी मां बुजुर्ग हैं और बीमार भी रहती हैं। आरोपियों ने उन्हें हथियार के बल पर बंधक बना लिया था। बुजुर्ग महिला घटना के बाद से सदमें में हैं। वह पहले से ही बीमार रहती हैं और उनका इलाज चल रहा था। ऐसे में घर में वारदात होने के बाद से वह और ज्यादा सदमें में हैं और परिवार के लोग उन्हें दिलासा दे रहे हैं। वहीं पुलिस अधिकारियों ने परिवार को आश्वासन दिया है कि जल्दी ही आरोपियों की गिरफ्तारी हो जाएगी।

क्वार्सी पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि बदमाश बाइक पर आए थे और मुंह ढ़का हुआ था। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है, जिससे कि संदिग्ध व्यक्तियों को चिन्हित किया जा सके। वहीं परिवार और किराएदारों से भी पूछताछ की जा रही है। सीओ तृतीय सर्वम सिंह ने बताया कि परिवार की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच के लिए टीमों का गठन कर दिया गया है और जल्दी ही आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

इंजीनियर सस्पेंड, चीफ इंजीनियर को हटाया, सड़क निर्माण में गड़बड़ी पर सांसद ने शिकायत की थी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

रामघाट कल्याण मार्ग के 219.52 करोड़ रुपए टेंडर में गड़बड़ी के मामले में लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता को सस्पेंड कर दिया गया है। इसके साथ ही विभाग के एक्सईएन योगेश कुमार के खिलाफ जांच करने के आदेश दिए गए हैं। सड़कों की बदहाली और टेंडर में गड़बड़ी मिलने पर चीफ इंजीनियर सौरभ बैराठी को अलीगढ़ से हटाकर लखनऊ मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। शासन की ओर से बड़े श्तर पर कार्रवाई की गई है और इस मामले में और भी कई अधिकारियों पर गाज गिर सकती है।

यह मामला सीधे शासन की प्राथमिकता में शामिल था, इसके बाद भी अफसर इसमें लापरवही कर रहे थे। अलीगढ़ में लगने वाले जाम से मुक्ति के लिए शासन ने क्वार्सी चौराहे से बुलंदशहर के नरौरा तक सड़क को फोन लेन बनाने की तैयारी की थी। पूर्व सीएम कल्याण सिंह की पुण्यतिथि के मौके पर अलीगढ़ से सीएम योगी ने इसका ऐलान किया था और यह काम शासन की प्राथमिकता में शामिल था। लेकिन इसकी टेंडर प्रक्रिया में लगातार लापरवाही की जा रही थी।

रामघाट कल्याण मार्ग टेंडर में गड़बड़ी, सीएम योगी ने लिया एक्शन, पीडब्ल्यूडी मुख्य अभियंता हटाए, एसई निलंबित

अलीगढ़, एजेंसी। क्वार्सी चौराहा से बुलंदशहर के नरौरा तक इस मार्ग के चौड़ीकरण को लोक निर्माण विभाग ने टैंडर प्रक्रिया पिछले दिनों पूरी की। जिसमें से 219.52 करोड़ रुपये के टैंडर को लेकर पूर्व सांसद राजवीर सिंह राजू व सांसद सतीश गौतम द्वारा अलग-अलग शिकायतें की गई। जिसमें अनियमितता का आरोप लगाया गया। अलीगढ़ जिले में सड़कों की दुर्दशा व रामघाट कल्याण मार्ग के 219.52 करोड़ रुपये के टेंडर में गड़बड़ी पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने बड़ा एक्शन लिया है। पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता संजय कुमार गौतम को निलंबित करते हुए एक्सईएन योगेश कुमार पर जांच नियत कर दी गई है। वहीं मुख्य अभियंता सौरभ बैराठी को अलीगढ़ से हटाते हुए मुख्यालय से संबद्ध कर स्पष्टीकरण मांगा है। एक साथ

इतनी तगड़ी कार्रवाई से महकमे में खलबली मच गई है। माना जा रहा है कि यह अभी शुरुआत है। आगे कुछ अन्य अफसरों पर भी गाज गिर सकती है।

क्वार्सी चौराहा से बुलंदशहर के नरौरा तक इस मार्ग के चौड़ीकरण को लोक निर्माण विभाग ने टैंडर प्रक्रिया पिछले दिनों पूरी की। जिसमें से 219.52 करोड़ रुपये के टैंडर को लेकर पूर्व सांसद राजवीर सिंह राजू व सांसद सतीश गौतम द्वारा अलग-अलग शिकायतें की गई। जिसमें अनियमितता का आरोप लगाया गया। जिस पर शासन के निर्देश पर कमिश्नर ने नगर आयुक्त की अध्यक्षता में जांच समिति बनाई। जिसमें मुख्य विकास अधिकारी, वरिष्ठ कोषाधिकारी व सेतु निगम के उप परियोजना प्रबंधक को शामिल किया गया है। एक सप्ताह में इस समिति ने रिपोर्ट बनाकर कमिश्नर के जरिये शासन को भेजी। जांच रिपोर्ट में पाया गया कि औद्योगिक-लॉजिस्टिक पार्क के लिए अलीगढ़-रामघाट कल्याण सिंह मार्ग को दो अलग-अलग पैकेज में फोरलेन करने के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई थीं। इनकी लागत क्रमश- 136.60 करोड़ और 82.92 करोड़ रुपये है। कामों की स्वीकृति से पहले ही निविदाएं आमंत्रित की गई और शुद्धि पत्र के माध्यम से एक दिन की अवधि बढ़ाई गई। जिसमें औसतन 24 प्रतिशत कम दरों की निविदाएं प्राप्त हुईं, जबकि इन दोनों कामों की निविदाएं क्रमश- 6.05 और 6.81 प्रतिशत कम दरों पर प्राप्त हुईं। इन दोनों कामों में प्रतिस्पर्धा कम हुई, जिससे सरकारी धन का नुकसान हुआ। इसी आधार पर अलीगढ़ लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता संजय कुमार गौतम को शासन ने निलंबित कर दिया है। वे निलंबन काल में प्रमुख अभियंता कार्यालय, लखनऊ से संबद्ध रहेंगे। उनके मामले में आगे की जांच सहारनपुर के मुख्य अभियंता करेंगे।

मुख्यमंत्री के अलीगढ़ मंडल की समीक्षा के समय शहर की सडक़ों का मुद्दा जोर शोर से उठा था। उससे पहले दिशा की मीटिंग में सांसद व अन्य जनप्रतिनिधियों ने सूतमिल से नादा पुल व सूतमिल से भांकरी तक की सडक़ के निर्माण में अनियमितताओं के आरोप लगाए थे। यह मुद्दा समीक्षा में सीएम के समक्ष रखा गया था। उसी का संज्ञान लेते हुए यहां के मुख्य अभियंता सौरभ बैराठी को हटाया गया है। साथ में यह भी कहा गया है कि वे अपना लिखित स्पष्टीकरण 15 दिन के भीतर शासन को उपलब्ध कराएं। अन्यथा उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर अंतिम निर्णय ले लिया जाएगा। उनके स्थान पर इंडो-नेपाल बॉर्डर के मुख्य अभियंता विजय सिंह को अलीगढ़ का मुख्य अभियंता बनाया गया है।

छह घंटे में किए पोते के छह टुकड़े...

सिर और धड़ मिला पर हाथ-पैर नहीं, इस शख्स के कहने पर दादा ने किया कत्ल

प्रयागराज, एजेंसी। प्रयागराज में 11वीं के छात्र की हत्या के बाद शव के टुकड़े करने के मामले में आरोपी तांत्रिक की तलाश जारी है। पुलिस की एक टीम ने कौशाम्बी के सरायअकिल में भी तांत्रिक के घर दबिश दी, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। प्रयागराज के करेली में 11वीं के छात्र पीयूष उर्फ यश की हत्या के मामले में फरार चल रहे तांत्रिक को लेकर अहम खुलासा हुआ है। पता चला है कि मूलरूप से कौशांबी के सरायअकिल थाना इलाके निवासी तांत्रिक कुछ माह पहले से करेली में किराए के मकान पर रहता था। उसकी तलाश में दबिश दी जारी है।

पुलिस की एक टीम ने तांत्रिक के कौशाम्बी स्थित घर में दबिश दी लेकिन वह पहले ही गायब हो गया। जांच में यह भी सामने आया है कि वह मजदूरी का भी काम करता है। उसे दबोचने के लिए दो टीमों को गठन किया गया है। मोबाइल लोकेशन के आधार पर उसकी गिरफ्तारी में पुलिस जुटी हुई है।

वहीं, दूसरी तरफ यश के कटे हाथ-पैर बरामद नहीं हो सके हैं। आरोपी सरन सिंह ने पुलिस को बताया था कि यश के हाथ-पैर रसूलपुर कछार में फेंके थे। डीसीपी सिटी अभिषेक भारती ने बताया कि टीम लगातार दबिश दे रही है। तांत्रिक को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।औद्योगिक क्षेत्र में मंगलवार को 11वीं के छात्र पीयूष उर्फ यश का सिर और हाथ-पैर काटकर शव फेंकने के मामले में पुलिस ने करेली सदियापुर निवासी आरोपी दादा सरन सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि यश के शरीर के छह टुकड़े कर छह घंटे में शव का ठिकाना लगा दिया। पुलिस लाइन सभागार में डीसीपी नगर अभिषेक भारती व डीसीपी यमुनानगर विवेकचंद्र यादव ने बताया कि सदियापुर निवासी सरन सिंह की बेटी ने 2023 और बेटे ने 2024 में यमुना पुल से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। दोनों बच्चों की मौत से सरन सिंह परेशान हो गया। इस बीच वह कौशाम्बी के रहने वाले एक तांत्रिक के संपर्क में आया। शक था कि यश की दादी ने उसके परिवार पर जादू-टोना किया है। तांत्रिक के कहने पर ही सरन ने यश को मंगलवार सुबह 8:30 बजे स्कूल जाते वक्त किसी काम का बहाना बनाकर अपने साथ कल्याणी देवी स्थित मकान में ले गया और फिर आरी व चापड़ से शरीर के छह टुकड़े कर मौत के घाट उतार दिया।

यूपी में आठ आईपीएस अफसरों के हुए तबादले, तीन जिलों के एसपी बदले

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में रविवार को आठ आईपीएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। इनमें तीन जिलों के पुलिस अधीक्षक भी शामिल हैं। शामली के पुलिस अधीक्षक राम सेवक गौतम को पुलिस अधीक्षक, पीटीएस, मुरादाबाद की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं कानपुर देहात के पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्र को पुलिस अधीक्षक, ईओडब्ल्यू, उप्र बनाया गया है। इसी तरह श्रावस्ती के पुलिस अधीक्षक घनश्याम को पुलिस अधीक्षक, सतर्कता अधिष्ठान, उप्र बनाया गया है। श्रद्धा नरेंद्र पांडेय को सेनानायक 38वीं वाहिनी पीएसी, अलीगढ़ से पुलिस अधीक्षक, कानपुर देहात की जिम्मेदारी मिली है। राहुल भाटी को पुलिस अधीक्षक, एसएसएफ, लखनऊ से पुलिस अधीक्षक, श्रावस्ती बनाया गया है। पुलिस कमिश्नरेट, गौतमबुद्धनगर में तैनात पुलिस उपायुक्त लाखन सिंह यादव को सेनानायक, 38वीं वाहिनी पीएसी, अलीगढ़ भेजा गया है। नरेंद्र प्रताप सिंह को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक, बागपत से पुलिस अधीक्षक, शामली के रूप में जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में पुलिस उपायुक्त /अपर पुलिस उपायुक्त के रूप में तैनात डॉ प्रवीण रंजन सिंह को पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट, गौतमबुद्धनगर बनाया गया है।

दीपावली बाद होगा सनातन संघ सम्मेलन, कई राज्यों के सीएम व राज्यपाल होंगे शामिल; योगी करेंगे अगुवाई

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दीपावली के बाद सनातनी समाज का संघ सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। दीपावली के बाद राजधानी में सनातनी समाज का भव्य संघ सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। जिसमें राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री व राज्यपाल समेत मथुरा व काशी पीठ के महामंडलेश्वर शिरकत करेंगे। यह ऐलान शनिवार को राजधानी के गोमती होटल में आयोजित राष्ट्रीय सनातन संघ की विचार गोष्ठी में किया गया। गोष्ठी के मुख्य अतिथि लखनऊ उत्तरी के विधायक डा. नीरज बोरा और भाजपा प्रवक्ता नवीन श्रीवास्तव थे। नीरज बोरा ने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि आज सनातन को क्षीण करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके लिए कोई और नहीं हम दोषी है। जब बच्चा छोटा होता है तो हम शिवाजी की वीर गाथा या राणा प्रताप की कहानियां नहीं सुनातें बल्कि उसे ट्विंकल-ट्विंकल लिटिल स्टार सुनकर खुश होते हैं। हमें जरूरत है कि हम हर बच्चे में सनातन के गुण पैदा करें। डा. बोरा ने कहा कि आज दुनिया के किसी भी देश में चले जाइये, या भारत के किसी भी प्रांत में जाइये हिंदुओं की संख्या घट रही है। नवीन श्रीवास्तव ने कहा कि आज सनातन को मजबूत करने की जरूरत है। उसके लिए हमें सभी हिंदुओं को एकजुट होना पड़ेगा। जातियों में नहीं बंटना होगा, अगड़ों-पिछड़ों को बांटकर सनातन को कमजोर किया जा रहा है।

प्रदेश के 26 जिलों में आज भारी बारिश की चेतावनी, पश्चिम यूपी और बुंदेलखंड के इन इलाकों के लिए अलर्ट जारी

लखनऊ, एजेंसी। यूपी मेंकई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी हुआ है। वहीं मौसम विभाग के अनुसार यूपी से सटे हुए कई राज्यों में भी अच्छी बरसात होगी। पश्चिमी यूपी और तराई के इलाकों में रविवार से एक बार फिर से अच्छी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने 26 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही बुंदेलखंड में भी जमकर बारिश होने का अनुमान है।

रविवार को सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तराखंड और हिमाचल में अभी बना है खतरा : उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और पहाड़ दरकने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। उत्तराखंड के धारचूला में भारी बारिश के बाद चीन सीमा से जोड़ने वाले तवाघाट-लिपुलेख मार्ग पर ऐलागाड़ और कुलागाड़ के पास पहाड़ी दरक गई। इसकी वजह से दारमा, चौदास और व्यास तीनों घाटियों का जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया है। जम्मू संभाग में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश और भूस्खलन ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

दो सितंबर तक बारिश का अलर्ट : मौसम विभाग ने पंजाब, राजस्थान, यूपी समेत सात राज्यों में 2 सितंबर तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड और पूर्वी राजस्थान के कई इलाकों में अगले सात दिनों तक भारी बारिश जारी रहने के आसार है। धारचूला में तवाघाट-लिपुलेख के साथ सोबला सड़क पहाड़ी दरकने के कारण बंद हो गई है। लगातार मलबा और बोल्डर गिरने से आवाजाही ठप बनी हुई है।

कहा था ना बदला लूंगा, ये बोलकर युवक को मार दी गोली, इस सपा विधायक का रिश्तेदार है आरोपी

बिजनौर, एजेंसी। गांव बेगावाला निवासी नितिन चौधरी मेला देखने गया था। वहीं उसे गोली मार दी गई। गंभीर हालत में नितिन को मेरठ रेफर किया गया है। वहीं पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। दोस्तों के संग नवमी का मेला देखने गए युवक को गांव गनौरा में गोली मार दी गई। गंभीर हालत में घायल को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां से उसे मेरठ के लिए रेफर कर दिया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शनिवार देर रात शाम थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव बेगावाला निवासी नितिन चौधरी (27) पुत्र बलबीर सिंह अपने दोस्तों के साथ मेला देखने गांव गनौरा गया था। वहां पर गांव के ही सूरज सैनी ने नितिन चौधरी को गोली मार दी। गंभीर हालत में युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से उसे मेरठ के लिए रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच करीब 2 साल से रंजिश चल रही थी। गोली मारने वाला आरोपी सूरत सैनी नूरपुर से सपा विधायक राम अवतार सैनी के चचेरे भाई का बेटा है। सूरत सैनी के पिता का गांव में शांति निकेतन के नाम से स्कूल है। गोलीकांड के बाद पुलिस उक्त स्कूल में भी छानबीन के लिए पहुंची। वहीं युवक की हालत नाजुक बताई जा रही है। इस संबंध में पुलिस उपाधीक्षक नगीना का कहना है कि आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

यूपी प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी भर्ती परीक्षा की संशोधित उत्तर कुंजी हुई जारी, 3,446 पदों पर होगा चयन

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग ने प्राविधिक सहायक ग्रुप-ष्ट भर्ती परीक्षा 2024 की संशोधित उत्तर कुंजी जारी कर दी है। इस भर्ती में कुल 3,446 पदों पर चयन किया जाएगा। उत्तर प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग ने प्राविधिक सहायक ग्रुप-ष्ट (कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश) की मुख्य परीक्षा 13 जुलाई 2025 को आयोजित की थी। परीक्षा के बाद आयोग ने 14 जुलाई 2025 को अनंतिम उत्तर कुंजी अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित की थी। उम्मीदवारों को आपत्तियां दर्ज कराने का मौका 16 जुलाई 2025 से दिया गया।

अब आयोग ने प्राप्त आपत्तियों का निपटान करने के बाद संशोधित उत्तर कुंजी (विवरणात्मक) अपलोड कर दी है, जिसे उम्मीदवार ह्वश्चह्यह्यह्य.द्दश1.द्बठ्ठ पर देख सकते हैं।

श्रेणीवार रिक्ति विवरण : इस भर्ती अभियान के तहत कृषि विभाग में प्राविधिक सहायक ग्रुप-ष्ट के कुल 3,446 पद भरे जाएंगे।

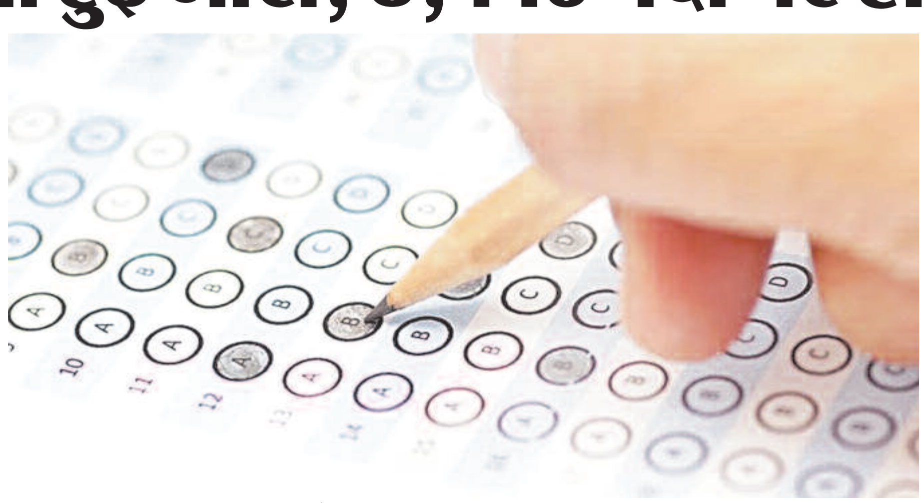

श्रेणीवार रिक्तियां इस प्रकार हैं- अनारक्षित - 1,813, अन्य पिछड़ा वर्ग - 629, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग - 344, अनुसूचित जाति - 509, अनुसूचित जनजाति - 151। उम्मीदवार इन रिक्तियों के अनुसार आवेदन कर सकते हैं और आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

परीक्षा पैटर्न : टेक्निकल असिस्टेंट ग्रुप-सी मुख्य परीक्षा में 100 प्रश्न थे, जिन्हें छात्रों को 120 मिनट में हल करना था। उम्मीदवारों को प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक दिया गया था। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए, प्रश्न के लिए निर्धारित अंकों में से 25% अंक काटे गए थे।

कैसे होता है चयन? : उम्मीदवारों का चयन में तीन मुख्य चरणों के आधार पर किया जाता है। पहले चरण में लिखित परीक्षा के माध्यम से उम्मीदवारों के ज्ञान और कौशल का मूल्यांकन किया जाता है। इसके बाद, शारीरिक दक्षता परीक्षाके जरिए उनके शारीरिक मानकों और क्षमता का परीक्षण किया जाता है। अंतिम चरण में, दोनों परीक्षा में सफल उम्मीदवारों के दस्तावेज सत्यापन द्वारा उनकी शैक्षणिक योग्यता, पहचान और अन्य आवश्यक प्रमाण पत्रों की पुष्टि की जाती है। इस पूरी प्रक्रिया के पूरा होने के बाद ही उम्मीदवारों को चयनित माना जाता है।

फिटनेस टेस्ट से गुजरे रोहित शर्मा

एशिया कप से पहले शुभमन गिल समेत ये खिलाड़ी भी पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट कप्तान और टी20 उपकप्तान शुभमन गिल एशिया कप 2025 की तैयारियों और फिटनेस टेस्ट के लिए बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंच गए हैं. गिल के साथ-साथ वनडे के कप्तान रोहित शर्मा और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भी प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट के लिए सीओई में पहुंचे हैं. भारतीय टीम के सदस्य 4 सितंबर को दुबई में इकट्ठा होंगे, ताकि 9 सितंबर को मेजबान संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच की तैयारी कर सकें.

38 साल के रोहित शर्मा, जो टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, वो भी सीओई में फिटनेस टेस्ट के लिए पहुंचे हैं. यह प्रक्रिया रविवार तक पूरी हो सकती है, और यह देखना रोचक होगा कि रोहित, जो अब केवल वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं, नए सीजन की शुरुआत कैसे करते हैं. रोहित अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकते हैं. इस फिटनेस टेस्ट के दौरान खिलाड़ियों को ब्रोंको टेस्ट और यो-यो टेस्ट से गुजरना है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, खिलाड़ियों के पहले दिन के टेस्ट हो गए हैं.

वहीं, रविवार को दूसरे दिन के टेस्ट होंगे और फिर नतीजे सामने आ जाएंगे. गिल को हाल ही में वायरल बुखार के कारण चल रहे दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में ईस्ट जोन के खिलाफ नॉर्थ जोन की कप्तानी करने से चूकना पड़ा था. वह चंडीगढ़ में अपने घर पर बीमारी से उबर रहे थे और अब पूरी तरह ठीक होने के बाद बेंगलुरु पहुंचे हैंय इस बार खिलाड़ी अलग-अलग जगहों से दुबई पहुंचेंगे, जो कि पहले की परंपरा से अलग है, जब पूरी टीम मुंबई से एक साथ यात्रा करती थी.

संभावना है कि गिल बेंगलुरु से सीधे दुबई के लिए उड़ान भर सकते हैं. दूसरी ओर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी टेस्ट के लिए पहुंचे हैं, जो एशिया कप खेलने वाले हैं.

ये खिलाड़ी भी पहुंचे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

गिल के अलावा, विकेटकीपर-बल्लेबाज जीतेश शर्मा भी प्री-टूर्नामेंट तैयारियों के लिए सीओई पहुंच गए हैं. शार्दूल ठाकुर भी प्री-सीजन टेस्ट के लिए जल्द ही सीओई गए हैं. शार्दूल ठाकुर दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में वेस्ट जोन की कप्तानी करेंगे, जबकि जायसवाल और सुंदर, जो एशिया कप के लिए स्टैंडबाय लिस्ट में हैं, घरेलू सीजन के आखिरी चार मैचों में भी हिस्सा लेंगे.

अश्विन का विदेशी लीग्स में खेलने की अफवाहें के बीच खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बाद हाल ही में आधिकारिक तौर पर आईपीएल से भी संन्यास ले लिया है। जहां आईपीएल से संन्यास के बाद अश्विन के विदेशी लीग्स में खेलने की अफवाहें उड़ रही थी वहीं अब अश्विन ने खुलासा किया है कि कोचिंग उनका भविष्य हो सकता है। 38 वर्षीय अश्विन ने अपना आईपीएल करियर चेन्नई सुपर किंग्स के साथ समाप्त किया। अपने यूट्यूब चैनल ऐश की बात पर अश्विन ने खुलासा किया कि कोचिंग ही उनका भविष्य है।

अश्विन ने कहा, मैं बहुत आवेगशील व्यक्ति हूं। जब मैं किसी चीज में दृढ़ विश्वास रखता हूं, तो उसके पीछे भागता हूं। अब मैं खेल में आनंद के पीछे भाग रहा हूं। मेरा अगला अध्याय शायद कोचिंग हो सकता है। इसके लिए मैं इसे एक बहुत ही महत्वपूर्ण साधन मानता हूं। मुझे विश्वास है कि खेल मुझे इसके लिए तैयार कर रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि अश्विन ने खुलासा किया कि राजस्थान रॉयल्स के साथ अपने कार्यकाल के दौरान उनके खिलाड़ी और कोच की दोहरी भूमिका निभाने पर भी चर्चा हुई थी। उन्होंने आगे कहा, दरअसल, जब मैं राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहा था, तब हमने इस विषय (कोच-कम-खिलाड़ी) पर चर्चा की थी। मैं नाम नहीं लूंगा क्योंकि यह मेरे लिए सही नहीं होगा। लेकिन हमने इस बारे में चर्चा की थी कि क्या कोई क्रिकेटर के रूप में खेलते हुए एक ही समय में कोचिंग की भूमिका भी निभा सकता है। यह बात आगे नहीं बढ़ी।

थप्पड़कांड वीडियो विवाद पर ललित मोदी का श्रीसंत की पत्नी को जवाब, बोले- मैंने सच साझा किया

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी ने हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क को आड़े हाथों लिया था, क्योंकि उन्होंने 2008 आईपीएल स्लैप-गेट विवाद का अनदेखा वीडियो सार्वजनिक किया। यह घटना श्रीसंत और हरभजन सिंह के बीच हुई थी। अब ललित मोदी ने भुवनेश्वरी की आलोचना का जवाब दिया है।

यह विवाद तब शुरू हुआ, जब एक पॉडकास्ट के दौरान मोदी और क्लार्क आईपीएल के पुराने किस्सों पर चर्चा कर रहे थे। इसी दौरान ललित मोदी ने वह अनदेखा क्लिप जारी किया, जिसमें मैच खत्म होने के बाद हैंडशेक के दौरान हरभजन सिंह, श्रीसंत को थप्पड़ मारते नजर आए। इस घटना के चलते हरभजन पर 11 मैचों का प्रतिबंध लगा था। ललित मोदी ने आईएएनएस को बताया, मुझे नहीं पता कि वह (श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी) क्यों नाराज हैं। मुझसे एक सवाल पूछा गया था, और मैंने सच बता दिया। मैं इसमें कुछ नहीं कर सकता। मैं सच बोलने के लिए जाना जाता हूं। श्रीसंत विक्टिम थे और मैंने वही कहा। इससे पहले किसी ने मुझसे यह सवाल नहीं किया था, इसलिए जब क्लार्क ने पूछा तो मैंने जवाब दिया।

मोदी ने माइकल क्लार्क को यह भी समझाया कि यह क्लिप उनकी सिक्योरिटी कैमरा फुटेज से मिली थी, क्योंकि उस समय ब्रॉडकास्टर ने अपने कैमरे बंद कर दिए थे। वीडियो में दिखता है कि पोस्ट-मैच हैंडशेक के दौरान हरभजन ने श्रीसंत को बुलाया और फिर थप्पड़ मार दिया। हालांकि, हरभजन ने इस घटना के लिए कई बार सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी। हालांकि, बाद में दोनों खिलाड़ियों ने विवाद को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद दोनों कमेंट्री पैनल और विज्ञापनों में भी नजर आए। इससे पहले, भुवनेश्वरी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में इस घटना की आलोचना करते हुए इसे घृणित, हृदयहीन और अमानवीय बताया था। भुवनेश्वरी ने लिखा, ललित मोदी और माइकल क्लार्क, आपको शर्म आनी चाहिए। श्रीसंत और हरभजन दोनों ही जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं और अब स्कूल जाने वाले बच्चों के पिता हैं, फिर भी आप पुराने जख्मों को कुरेदने की कोशिश कर रहे हैं। बेहद घिनौना, बेरहम और अमानवीय। श्रीसंत ने भी इंस्टाग्राम पर उनके पोस्ट को रीशेयर किया था।

कीरोन पोलार्ड का जश्न 24 घंटे भी नहीं चला

एक ही दिन में आगे निकल गए इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स

तरौबा, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग के दौरान कीरोन पोलार्ड ने टी20 क्रिकेट में अपने 14000 रन पूरे किए। अब एक दिन बाद ही इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स के भी टी20 में 14 हजार रन हो गए हैं। हेल्स भी इसी लीग में खेल रहे हैं और पोलार्ड की टीम त्रिबानगो नाइट राइडर्स का ही हिस्सा हैं। हेल्स ने गुयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 74 रनों की पारी खेली। इसी पारी के दौरान उनके 14 हजार रन पूरे हो गए।

हेल्स 14 हजार रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज

एलेक्स हेल्स टी20 क्रिकेट में 14 हजार रन बनाने वाले दुनिया के तीसरे और इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। हेल्स और पोलार्ड से पहले वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम इस फॉर्मेट में 14000 रन थे। 36 साल के हेल्स ने 2009 में टी20 डेब्यू किया था। अभी तक 505 पारियों में उन्होंने 30 की औसत से 14024 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 7 शतक और 89 अर्धशतक निकले। टी20 में उनका स्ट्राइक रेट 145.44 का है। हेल्स सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाले एक्टिव बल्लेबाज भी बन गए हैं।

रनों में पोलार्ड से आगे निकले हेल्स

एलेक्स हेल्स टी20 में रन बनाने के मामले में कीरोन पोलार्ड से आगे निकल गए हैं। पोलार्ड पोलार्ड ने गुनाया के खिलाफ मैच में 12 रन बनाए। इस तरह उनके इस फॉर्मेट में 14012 रन हैं। वहीं हेल्स के 14024 रन हो गए हैं। क्रिस गेल के सबसे ज्यादा 14562 रन हैं। गेल ने 2022 के बाद टी20 नहीं खेला है। ऐसे में पोलार्ड और हेल्स दोनों के पास ही टॉप पर जाने का मौका है।

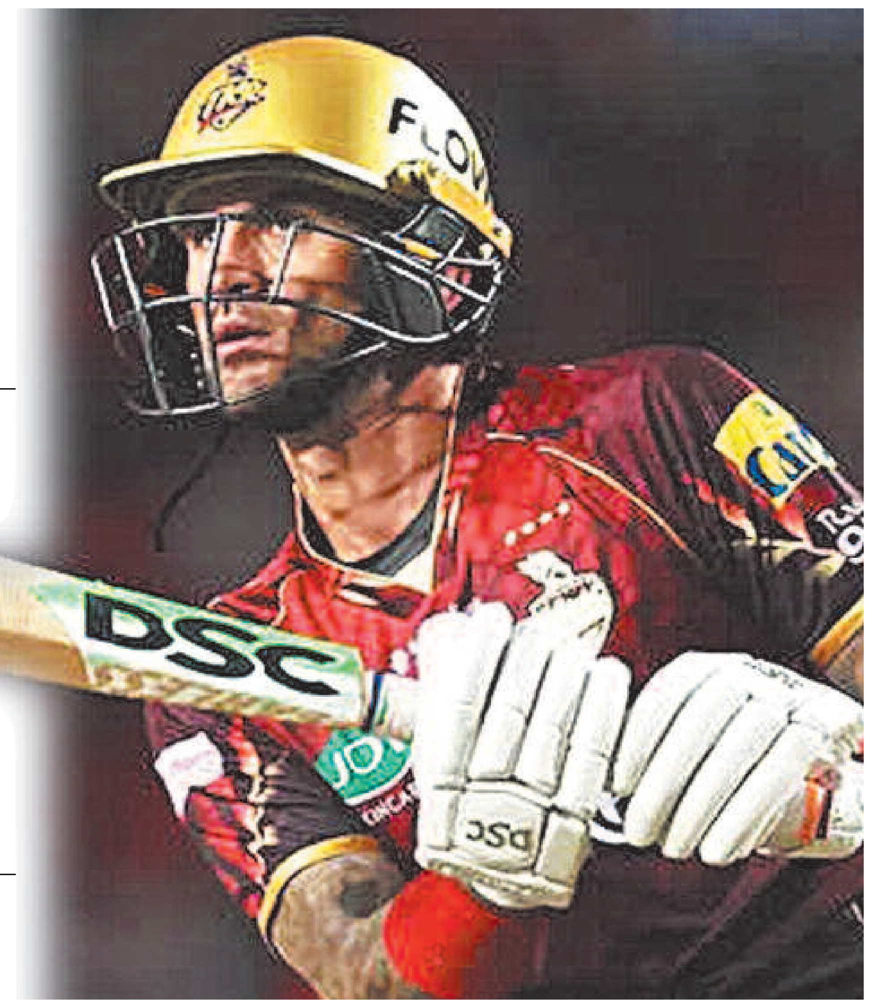

मैग्नस कार्लसन 8 महीने पहले जिस कारण मुकाबले से हुए बाहर, FIDE ने उस नियम में किया बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। शतरंज की नियम बनाने वाली 101 साल पुरानी संस्था इंटरनेशनल चेस फेडरेशन, फिडे ने अपने ड्रेस कोड में ढील दी है। उसने खिलाड़ियों को आगामी ग्रैंड स्विस और महिला ग्रैंड स्विस टूर्नामेंटों में उपयुक्त जींस पहनने की अनुमति दी है। फिडे का यह कदम मैग्नस कार्लसन के 'जींस पहनने' विवाद के आठ महीने बाद आया है। मौजूदा पीढ़ी के शतरंज के सबसे महान खिलाड़ी कार्लसन ने जींस पहनने के लिए जुर्माना लगने के बाद फिडे वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप को बीच में ही छोड़ दिया था। कार्लसन ने कहा था कि उन्होंने सिद्धांत के आधार पर इस टूर्नामेंट को छोड़ दिया था। उन्होंने बाद में उस विशेष जींस को ईबे पर एक ऑनलाइन नीलामी में 31 लाख रुपये (36,100) में बेच दिया।

ड्रेस कोड में बदलाव: ड्रेस कोड में बदलाव के बाद भी कार्लसन के उज्बेकिस्तान के समरकंद में 3 से 16 सितंबर तक होने वाले ग्रैंड स्विस इवेंट में खेलने की संभावना नहीं है, लेकिन शुक्रवार (29 अगस्त) को प्रकाशित संशोधित फिडे नियमों का मतलब है कि अन्य खिलाड़ियों को तीन रंगों नीले, काले और भूरे रंग की नॉन-डिस्ट्रेस्ड जींस पहनकर खेलने की अनुमति होगी।

जींस पहनने की अनुमति: फिडे के एक बयान में कहा गया है, आधिकारिक ड्रेस कोड के तहत अब उपयुक्त जींस पहनने की अनुमति है। यह बदलाव खिलाड़ियों को ज्यादा आराम और अपनी पसंद चुनने की आजादी देता है।

विश्वनाथन आनंद ने बताया नियमों में बदलाव की वजह: फिडे के उपाध्यक्ष और पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने शनिवार को बताया कि शतरंज संस्था ने कई खिलाड़ियों से सलाह-मशविरा करने के बाद यह फैसला लिया।

अक्षर पटेल से छिनेगी दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी!

इन प्लेयर्स में किसी को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में बदलावों का दौर चल रहा है। ट्रेड विंडो के तहत कई तरह की बातचीत और कुछ बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं अब दिल्ली कैपिटल्स में अक्षर पटेल को कप्तानी से हटाने की खबरे सामने आई हैं। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2026 से पहले एक नए कप्तान पर विचार कर रही है। इससे टीम में केएल राहुल या फाफ डु प्लेसिस जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए भूमिका खुल जाती है। फिलहाल फ्रैंचाइजी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

डीसी कप्तानी के लिए 3 सर्वश्रेष्ठ दावेदार

फाफ डु प्लेसिस: फाफ डु प्लेसिस का नाम इस भूमिका के लिए दूसरे सबसे अच्छे उम्मीदवार के रूप में सामने आता है। दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज ने अपनी राष्ट्रीय टीम के अलावा दुनिया भर की विभिन्न लीगों में कई फ्रैंचाइजी का नेतृत्व किया है। अनुभव की बात करें तो डु प्लेसिस के पास इसकी कोई कमी नहीं है और वह टीम को इतिहास के अब तक के सर्वश्रेष्ठ सीजन तक ले जा सकते हैं।

केएल राहुल: भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल टीम के सबसे वरिष्ठ सदस्यों में से एक हैं। आईपीएल 2025 में वह उनकी बल्लेबाजी का अहम हिस्सा थे। टीम में राहुल के महत्व और फ्रैंचाइजी तथा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी का अनुभव होने के कारण, यह भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उनके लिए सबसे अच्छा विकल्प लग रहा है।

ट्रिस्टन स्टब्स: दक्षिण अफ्रीकी युवा खिलाड़ी आईपीएल 2025 के दौरान दिल्ली कैपिटल्स टीम के सबसे महत्वपूर्ण बल्लेबाजों में से एक थे। ट्रिस्टन स्टब्स कैपिटल्स के लिए एक दीर्घकालिक निवेश प्रतीत होते हैं। आगे चलकर कैपिटल्स उन्हें एक लीडर के रूप में प्रोजेक्ट कर सकते हैं और उनके इर्द-गिर्द टीम बना सकते हैं।

CPL 2025: एक ही मैच में 2 हैट्रिक से चूककर भी छाए इमरान ताहिर, 46 की उम्र में वो किया, जो कोई सोच भी नहीं सकता

नई दिल्ली, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 में इमरान ताहिर एक ही मैच में 2 बार हैट्रिक लेने से चूक गए. हालांकि, उससे चूकते हुए 46 साल के गेंदबाज ने वो किया, जिसके बारे में कोई इतनी उम्र में करने की सोच भी नहीं सकता. उन्होंने सीपीएल 2025 में अपने नाम का डंका बजाया.

मुकाबला गयाना अमेजन वॉरियर्स और ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के बीच था. इसी मैच में गयाना की ओर से खेल रहे इमरान ताहिर नाइट राइडर्स के खिलाफ एक नहीं दो बार हैट्रिक लेने से चूकते दिखे. ऐसा कैसे हुआ, आइए जानते हैं. हुआ ये कि मुकाबले में गयाना अमेजन वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 163 रन बनाए. जवाब में 164 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नाइट राइडर्स ने बड़ी जोरदार शुरुआत की. हेल्स और मुनरो की ओपनिंग जोड़ी के बीच पहले 10 ओवर में शतकीय साझेदारी हुई. मगर उसके बाद 11वां ओवर डालने इमरान ताहिर आए.

ऐसे चूकी पहली हैट्रिक

46 साल के इस लेग स्पिनर ने मैच में डाले अपने तीसरे और नाइट राइडर्स की इनिंग के 11वें ओवर की तीसरी और चौथी गेंद पर कॉलिन मुनरो और निकोलस पूरन को आउट कर दिया. उसके बाद सबकी निगाहें ओवर की 5वीं गेंद पर जम गई. मगर ताहिर को उस पर सफलता नहीं मिली और वो इस मैच में पहली दफा हैट्रिक से चूक गए.

ऐसे दूसरी हैट्रिक से भी चूके

इमरान ताहिर के पास हैट्रिक लेने का एक और मौका आया. उन्होंने अपने तीसरे और नाइट राइडर्स की इनिंग के 11वें ओवर को विकेट के साथ खत्म किया. आखिरी गेंद पर उन्होंने कार्टी को आउट किया. इसके बाद

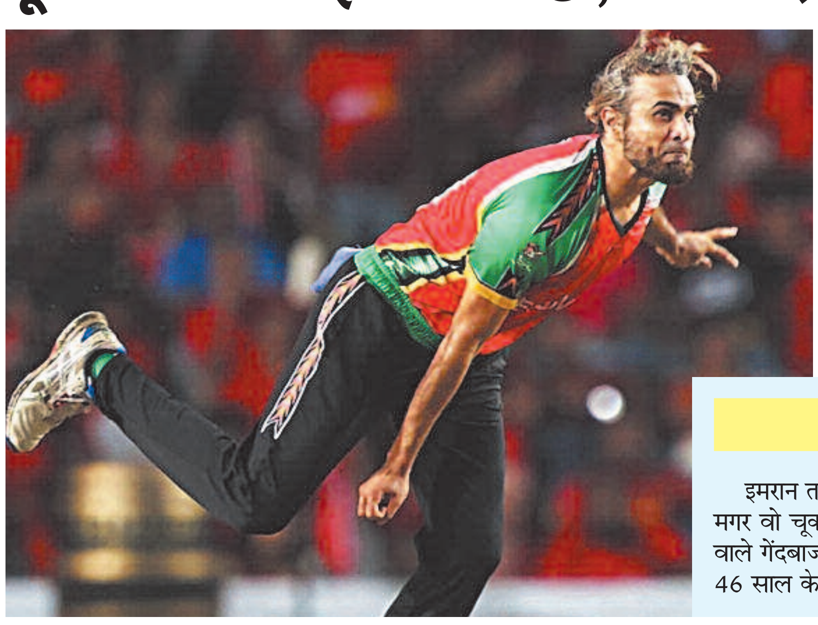

जब वो अपना अगला यानी कि चौथा और नाइटराइडर्स की इनिंग का 15वां ओवर डालने आए तो उन्होंने पहली ही गेंद पर एलेक्स हेल्स को चलता कर दिया. मतलब, अब एक बार फिर से इमरान ताहिर हैट्रिक पर थे. उन्होंने इस बार भी कोशिश भरपूर की. अपने कोटे के आखिरी और नाइट राइडर्स की इनिंग के 15वें ओवर की दूसरी गेंद पर उन्होंने पोलार्ड को बीट भी किया. मगर वो बच गए. और, इस तरह मैच में दूसरी बार इमरान ताहिर अपने हैट्रिक से चूकते दिखे.

इमरान ताहिर रहे विकेट लेने वाले टीम के इकलौते गेंदबाज

दो बार हैट्रिक से चूके इमरान ताहिर नाइट राइडर्स के खिलाफ गयाना के सबसे सफल गेंदबाज रहे. वो इकलौते गेंदबाज रहे जिन्होंने गयान की ओर से इस मैच में विकेट लिए. 46 साल के लेग स्पिनर इमरान ताहिर ने नाइट राइडर्स के खिलाफ 4 ओवर में 27 रन देकर 4 विकेट झटके. हालांकि, ताहिर के अलावा बाकी गेंदबाजों की नाकामी गयाना को भारी पड़ी और उसने 6 विकेट से मैच गंवा दिया.

उम्र 46 की, फिर भी 2025 में सबसे ज्यादा विकेट

इमरान ताहिर पीएसएल और द हंड्रेड में हैट्रिक ले चुके हैं. सीपीएल 2025 में दो बार उनके लिए मौका बना मगर वो चूक गए. हालांकि, इस चूक के बाद भी इमरान ताहिर सीपीएल 2025 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए. उनके नाम अब तक 12 विकेट हैं. युवाओं का खेल कहे जाने वाले टी-20 क्रिकेट में 46 साल के गेंदबाज के लिए ये एक बड़ी बात है.